नई दिल्ली
मंगलवार
10 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 67
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158



कृषि क्षेत्र को मिलेगी डाक विभाग की व्यापक...पेज-05

अमित शाह ने अहमदाबाद को दी 1,400 करोड़ के...पेज-08

एक नजर

राष्ट्रपति देशभर के स्वच्छ सर्वेक्षण के विजेताओं को बुधवार को करेंगी सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार (11 नवंबर) को यहां विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस दौरान देश के सबसे स्वच्छ शहरों के साथ स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्यमंत्री तोखन साहू मौजूद रहेंगे।

केंद्रीय आवस एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण का दसवां संस्करण 'स्वच्छता की नई पहल- बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' विषय पर आयोजित किया गया। वर्ष 2016 में 73 शहरी निकायों से शुरू हुआ यह सर्वेक्षण अब 4,751 से अधिक शहरों तक पहुंच गया है। इस बार शहरी स्थानीय निकायों का मूल्यांकन 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 मानकों पर किया गया। इनमें कचरा प्रबंधन, दिखाई देने वाली स्वच्छता, स्वच्छता सुविधाएं, इस्तेमाल किए गए पानी का प्रबंधन, सफाई कर्मचारियों का कल्याण और नागरिकों की प्रतिक्रिया शामिल हैं। देशभर में 3,000 से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने जीपीएस आधारित निगरानी के साथ स्थलीय आकलन किया। मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 70 मार्गदर्शक शहरों और 191 सहयोगी शहरों की स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के प्रदर्शन को भी सम्मानित किया जाएगा। इस पहल से सहयोगी शहरों में दिखाई देने वाली स्वच्छता का स्तर 48 से बढ़कर 70 प्रतिशत और घर-घर कचरा संग्रह 52 से बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया है। स्रोत पर कचरे का पृथक्करण भी 16 से बढ़कर 30 प्रतिशत हुआ है। इसके अलावा स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच 11 से बढ़कर 38 प्रतिशत, इस्तेमाल किए गए पानी का प्रबंधन 32 से बढ़कर 53 प्रतिशत और स्वच्छता के प्रति जागरूकता 48 से बढ़कर 66 प्रतिशत हो गई है।

कैंसर रोधी 1,364 दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य प्रभावी

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में कैंसर रोधी 1,364 दवा 'फॉर्मूलेशन' के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सोमवार से लागू हो गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के इस कदम से उपभोक्ताओं को सालाना अनुमानित 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के द्वारा 137 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार विक्रय को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक सीमित करने के बाद 1,364 कैंसर रोधी दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 9 नवंबर 2026 से देशभर में लागू हो गए हैं।

बयान के अनुसार औषधि विभाग के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर, 2026 को सौंपी गई सिफारिशों के आधार पर कुल 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर व्यापार 'मार्जिन' की सीमा तय की थी। आठ नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 'फॉर्मूलेशन' के संशोधित एमआरपी की जानकारी दी है।

मोदी ने जेलेंस्की से की बात, कहा- यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान में योगदान के लिए तैयार भारत



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के समाधान के लिए आज दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ टेलीफ़ोन पर उच्च-स्तरीय कूटनीतिक वार्तालाप किया और संवाद एवं कूटनीति के जरिए इस संकट का समाधान निकालने के लिए हरसंभव योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से बात हुई, जिसके बाद विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को फोन करके मोदी-ज़ेलेंस्की बातचीत के मुख्य बिंदुओं की जानकारी दी और युद्ध खत्म कराने एवं शांति स्थापना की दिशा में संभावित उपायों पर गंभीर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हरसंभव योगदान देने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए संकट का हल तलाशने में दोनों पक्षों की मदद करने का प्रस्ताव रखा। बातचीत का ब्योरा साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा, 'राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ एक उपयोगी टेलीफोन पर बातचीत करके खुशी हुई। हमने हमारे व्यापक द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और भारत-यूक्रेन संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। मैंने चल रहे संघर्ष, इसके मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने के विभिन्न प्रयासों पर अपने दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को धन्यवाद दिया। एक शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हरसंभव योगदान देने के भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बातचीत का ब्योरा साझा करते हुए कहा, 'मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें नवीनतम कूटनीतिक घटनाक्रमों से अवगत कराया। हम अबू धाबी में होने वाली बैठक के एजेंडे के हर बिंदु पर सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं। यूक्रेन ने हमेशा एक रचनात्मक रुख अपनाया है, और रूस को भी तनाव कम करने के लिए ऐसी ही तत्परता दिखानी होगी। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने एक से अधिक बार, रूसी नेता से सीधे तौर पर भी कहा है कि अब युद्ध जारी रखने का नहीं, बल्कि इसे समाप्त करने का समय है।

ज़ेलेन्स्की ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि भारत यह पहचाने कि वह युद्ध को समाप्त करने में मदद करने के लिए क्या कदम उठा सकता है और अन्य नेताओं के साथ क्या संवाद कर सकता है। खाद्य सुरक्षा ऐसा ही एक क्षेत्र हो सकता है। हमने काले सागर के रास्ते अनाज के निर्यात पर रूस की रोक पर चर्चा की। भारत खाद्य गलियारे स्थापित करने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है, और हम इन प्रयासों के जारी रहने की उम्मीद कर रहे हैं।' ज़ेलेन्स्की ने कहा, 'रूस को यह समझना चाहिए कि बंद समुद्री मार्गों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था और दुनिया भर के करोड़ों लोग पीड़ित हैं। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमारी टीमें इन और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर संपर्क में रहेंगी।

इस बीच, कूटनीतिक पहलों को आगे बढ़ाते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शाम को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से टेलीफोन पर बातचीत की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा, 'आज शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात हुई। हमारी बातचीत यूक्रेन संघर्ष और चल रही कूटनीतिक पहलों पर केंद्रित रही। भारतीय नेताओं की दोनों पक्षों के साथ हुई इस चर्चा में मुख्य रूप से यूक्रेन संघर्ष और चल रहे राजनयिक प्रयासों पर गहन मंथन हुआ। एक ही दिन में रूस और यूक्रेन के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुए इस उच्च-स्तरीय संपर्क को दोनों देशों के बीच शांति बहाली के प्रयासों में भारत की संतुलित, तटस्थ और महत्वपूर्ण मध्यस्थता की भूमिका के रूप में देखा जा रहा है।

भारत-सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों के लोगों के बीच के आपसी संबंधों पर आधारित है: रिजिजू



नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने 06 से 09 नवंबर 2026 तक सऊदी अरब साम्राज्य की आधिकारिक यात्रा की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव (हज) और हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ शामिल थे। 09 नवंबर 2026 को, केंद्रीय मंत्री ने जेद्दा सुपरडोम में सऊदी अरब साम्राज्य के हज और उमराह मंत्री महामहिम डॉ. तौफीक बिन फवजान अल-रबियाह के साथ द्विपक्षीय बैठक की। सऊदी अरब में भारत के राजदूत और संयुक्त सचिव (हज) भी हज-2027 की व्यवस्थाओं पर हुई सार्थक चर्चा में शामिल हुए।

दोनों मंत्रियों ने हज-2027 के लिए चल रही तैयारियों की समीक्षा की, द्विपक्षीय समन्वय और लॉजिस्टिक सहायता को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की और प्रत्येक भारतीय हज यात्री के लिए सुरक्षित, सुगम तथा आरामदायक हजयात्रा सुनिश्चित करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने जेद्दा में हज-2027 के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच हुए द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत के लिए देश का कोटा 175,025 निर्धारित किया गया। मंत्रियों ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच रणनीतिक साझेदारी लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों के लोगों के बीच के आपसी संबंधों पर आधारित है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय हज यात्री के लिए हज यात्रा को सफल और आरामदायक बनाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री ने हज-2026 के सफल आयोजन की सराहना करते हुए सऊदी अरब को भरोसा दिलाया कि हज-2027 को भी सफलतापूर्वक आयोजित करने में भारत पूरा सहयोग देगा। रिजिजू 'छठे हज सम्मेलन और प्रदर्शनी' के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा, उन्होंने सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक अल-रबियाह की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भी भाग लिया। उन्होंने हज यात्रियों के कल्याण के प्रति सऊदी नेतृत्व की निरंतर प्रतिबद्धता के लिए भारत की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने हज-2027 के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग कायम रखने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इसके साथ ही, उन्होंने अन्य मंत्रियों के साथ मिलकर मक्का क्षेत्र के उप-गवर्नर, प्रिंस सऊद बिन मिशाल बिन अब्दुलअजीज अल सऊद से भी मुलाकात की। अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री श्री रिजिजू ने जेद्दा स्थित 'इंडिया हाउस' में 'नूर-ए-दीवाली' समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों और अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना की और भारत तथा सऊदी अरब के बीच मित्रता और सद्भावना के एक जीवंत सेतु के रूप में उनकी भूमिका की प्रशंसा की।

जम्मू-कश्मीर समेत पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के मौसम में अगले कुछ दिनों में बड़ा बदलाव होने के आसार हैं। एक तरफ दिल्ली में ठंड के साथ कोहरा गहराने के आसार हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिम के पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भारी बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है।

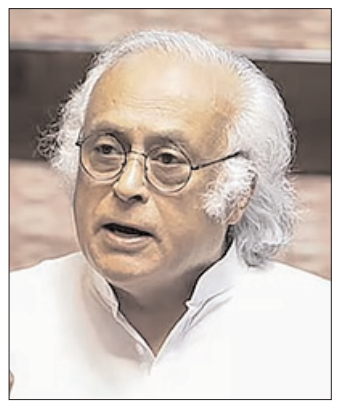
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों के दौरान आसमान मुख्यत: साफ रहने के आसार हैं। सुबह और देर रात के समय अधिकतर हिस्सों में हल्के से मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस बीच का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत क्षेत्रों में 10 नवंबर की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने के आसार हैं। इस कारण जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में 12-13 नवंबर को कश्मीर घाटी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, 10-15 नवंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बारिश तथा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है। पंजाब में 12-15 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के दक्षिण प्रायद्वीप क्षेत्रों में तमिलनाडु में 10 नवंबर को जबकि केरल तथा माहे में 10-15 नवंबर को भारी बारिश का अनुमान है। कोमोरिन क्षेत्र के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण केरल और तमिलनाडु में गरज-चमक के साथ बारिश की स्थिति बनी रहेगी। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 10-15 नवंबर के दौरान में व्यापक बारिश होने के आसार हैं।

आईएनएस चिल्का से 13 नवंबर को पास आउट होकर 3300 अग्निवीर समुद्री सेना का बनेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए तैयार अग्निवीरों का अब तक का सबसे बड़ा बैच 13 नवंबर को पास आउट करेगा। आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाले इस बैच में लगभग 3300 अग्निवीर हैं, जो 16 हफ्ते की कड़ी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद समुद्री सेना का हिस्सा बनेंगे। नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल नाविकों के इस 9वें बैच की परेड होस्ट करेगा।

आईएनएस चिल्का से निकलने वाला यह अब तक का सबसे बड़ा बैच होगा, जो भारत की मजबूत, युवा और लड़ाई के लिए तैयार समुद्री सेना बनाने की यात्रा के लिए बड़ी उपलब्धि है। भारतीय नौसेना के सबसे बड़े ट्रेनिंग सेंटर आईएनएस चिल्का पर होने वाली पासिंग आउट परेड के मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन होंगे और वे परेड की समीक्षा भी करेंगे।

संसद के मानसून सत्र का अब तक सत्रावसान नहीं, 2008 का टूटा रिकॉर्ड, रमेश ने उठाए सवाल



नई दिल्ली,एजेंसी। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए 88 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक लोकसभा और राज्यसभा का औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। इसके साथ ही संसद के सत्रावसान में अब तक का सबसे लंबा अंतराल दर्ज हुआ है। इससे पहले वर्ष 2008 में 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं हुआ था। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। सोमवार सुबह तक दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं होने से मौजूदा सत्र के तहत ही संसद की बैठक दोबारा बुलाए जाने की संभावना बनी हुई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले में सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए हुए 88 दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। रमेश ने संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाशित पुस्तक 'कौल एंड शकधर' के आठवें संस्करण का हवाला देते हुए कहा कि इसमें लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच सामान्यत: दो से चार दिन का अंतर बताया गया है। पुस्तक के फुटनोट में यह अधिकतम अंतर 28 दिन बताया गया है, जो 2015 के मानसून सत्र से जुड़ा है। रमेश ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में 2008 के मानसून सत्र का 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं होने का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि उस समय सभी दलों की सहमति से ऐसा किया गया था। रमेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने यह रिकॉर्ड केंद्रीय गृहमंत्री को परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत जुटाने का समय देने के उद्देश्य से बनाया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पिछले छह महीने में चार बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध कर चुके हैं, लेकिन सरकार ने इस पर सहमति नहीं दी है। वहीं, सत्रावसान नहीं किए जाने से यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि सरकार महिला आरक्षण कानून को लागू करने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन पर विचार के लिए संसद की बैठक कम समय के नोटिस पर बुला सकती है। इस प्रस्ताव के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की बात है। हालांकि, संसद की बैठक बुलाने को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

भारत और ईयू व्यापार, निवेश एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अगले महीने प्रस्तावित बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने से पहले सोमवार को व्यापार एवं निवेश, क्वांटम प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी की 7वीं समीक्षा बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित की गई।

इसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और यूरोपीय संघ के भू-आर्थिक और अंतर-संस्थागत मामलों के उप महासचिव मैट्टी मासीकस ने की। बैठक में भारत-ईयू ने अपनी साझेदारी के सभी पहलुओं और संयुक्त



व्यापक रणनीतिक एजेंडा के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने कहा है कि इससे पारस्परिक लाभ वाले और दूरगामी परिणाम हासिल किए जा सकेंगे। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावित निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) समझौते को भी अंतिम रूप देने की दिशा में काम जारी रखने पर सहमति जताई है।नई दिल्ली में संपन्न हुई भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी की 7वीं समीक्षा बैठक (एसपीआरएम) में दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई है। इस समीक्षा बैठक में दोनों पक्षों ने कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई), उन्नत सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी सहित महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की। इसके अलावा दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र में बेहतर माहौल बनाने और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

दिवाली को ईद बताने वाले खरगे के बयान पर भाजपा की प्रतिक्रिया

पूछा हिंदुओं के त्योहारों से कांग्रेस को इतनी परेशानी क्यों?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिवाली को 'ईद' बताने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह बयान कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति है और कांग्रेस अध्यक्ष से पवित्र दिवाली के बारे में 'अपमानजनक बात' कहलवायी गयी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रविवार को जब पूरा देश एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दे रहा था, तब कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दीपावली की तुलना 'खुशियों की ईद' से कर दी। श्री भाटिया ने कहा, 'अब सवाल यह है कि कांग्रेस को हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार दीपावली को उसकी अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ स्वीकार



करने में परेशानी क्यों होती है?

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दीपावली पर बोलते समय खरगे जी की जुबान लड़खड़ाने लगती थी।' यदि उनके बयान और चेहरे के हाव-भाव पर गौर करें तो ऐसा लग रहा था, मानो खड़गे जी की आंखों में आंसू आने वाले हों और वह सोच रहे हों कि पवित्र दीपावली के अवसर पर उनसे ऐसी अपमानजनक बात क्यों कहलवाई जा रही है।' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि श्री खरगे रिमोट से संचालित होते हैं। उनकी बैटरी श्रीमती सोनिया गांधी हैं और उनके रिमोट का बटन राहुल गांधी के हाथ में है। उनके बयान में श्रीमती गांधी और श्री गांधी की सोच ही झलकती है। कांग्रेस नेतृत्व की हिंदू आस्था और सनातन परंपराओं के प्रति सोच उनके बयानों से साफ दिखाई देती है। इसीलिए उन्होंने एक नया शब्द गढ़ दिया। उन्होंने कहा, 'यह खुशियों की ईद है।' श्री भाटिया ने कहा कि छोटी दीपावली, धनतेरस और गोवर्धन पूजा जैसे त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा हैं। हिंदू समुदाय के लिए इनका विशेष महत्व है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'तुष्टीकरण की राजनीति करना, सनातन धर्म की भावनाओं का अनादर करना और हिंदुओं की आस्था का अपमान करना कांग्रेस पार्टी का चरित्र और स्वभाव बन गया है। मुस्लिम समुदाय का खुलकर तुष्टीकरण करना तथा खुशी, उल्लास और आपसी सद्भाव के त्योहार के दौरान भी हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कांगेस का मूल चरित्र है। उन्होंने कहा, ' हमारी आपत्ति इसलिए है क्योंकि दीपावली भारत का सबसे बड़ा त्योहार है। यह हमें खुशियां बांटना और खुशियों को अपनाना सिखाता है। दीपावली, दीपावली है। इसे ईद क्यों कहा जाना चाहिए? जब हम दीपावली की बात कर रहे हैं, जिसकी अपनी पवित्रता, परंपरा और पहचान है, तो हिंदुओं को ईद कहकर शुभकामनाएं क्यों दी जा रही हैं? हम सभी जानते हैं कि एक समय भगवान राम को काल्पनिक बताया गया था। अब अयोध्या में राम मंदिर बन चुका है और प्रत्येक हिंदू ने इस पर गर्व महसूस किया है।' श्री भाटिया ने कहा कि ऐसा भी नहीं है कि श्री खरगे की जुबान फिसल गई हो। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी भी इस बहस में शामिल हो गए हैं।

दिल्ली में सरकारी सेवाओं में देरी पर तय होगी जवाबदेही

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026' (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि नए कानून से नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उन्हें यह जानकारी रहेगी कि उनका काम किस अधिकारी को करना है और उसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिनियम में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन और उनकी निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी, जिसके माध्यम से आवेदक अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा और उनकी स्थिति नियमित रूप से अपडेट करनी होगी।

उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध कराना अथवा आवेदन अस्वीकार करने का कारण लिखित रूप में बताना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इससे नागरिकों को केवल अपने आवेदन की जानकारी लेने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अधिनियम का एक महत्वपूर्ण प्रावधान स्वत: अपील (ऑटोमेटिक एस्क्लेशन) की व्यवस्था है। यदि नामित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराता है तो मूल आवेदन को ही नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष अपील माना जाएगा। नागरिक को केवल देरी के कारण अलग से अपील दाखिल करने की जरूरत नहीं होगी। प्रत्येक विभाग में नामित अधिकारी से वरिष्ठ स्तर के अधिकारी को नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह प्राधिकरण मामले की सुनवाई करेगा, आवश्यक होने पर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश देगा और देरी के लिए जिम्मेदारी भी तय कर सकेगा। उन्होंने बताया कि अपील का सामान्यत: 30 दिनों के भीतर निपटारा करना होगा। यदि प्राधिकरण निर्धारित अवधि में अपील का निपटारा नहीं करता है तो मामला स्वत: दिल्ली सेवा अधिकार आयोग तक पहुंचने की व्यवस्था भी की गई है। आयोग दूसरी अपीलों की सुनवाई करने के साथ कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। उसे सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करने, विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने, प्रक्रियाओं में सुधार सुझाने और आवश्यक मामलों में स्वत: संज्ञान लेकर जांच करने का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए नियम में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक दंड का भी प्रावधान किया गया है। यदि बिना उचित कारण सेवा देने में देरी होती है तो संबंधित अधिकारी पर देरी के प्रत्येक दिन के लिए 250 रुपये का अर्थदंड लगाया जा सकेगा। इसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा किसी आवेदन को अनुचित या बिना पर्याप्त कारण अस्वीकार करने पर 250 से लेकर 5,000 रुपये तक का एकमुश्त अर्थदंड लगाया जा सकेगा। आर्थिक दंड लगाने से पहले संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का पर्याप्त अवसर देना होगा। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं में अनावश्यक देरी कम करना, शिकायतों का प्रभावी निपटारा करना और प्रशासन को नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका अधिकार सुनिश्चित करना है। समय पर सेवा मिलना नागरिक का अधिकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

दिल्ली इमारत हादसा: सात मजदूरों की मौत पर आआपा का सरकार पर हमला, मुआवजा और कार्रवाई की मांग

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली में इमारत हादसे में सात मजदूरों की मौत के मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। बुराड़ी से विधायक संजीव झा और विधायक कुलदीप कुमार ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली में इमारत हादसे में सात मजदूरों की मौत पर मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आआपा नेता संजीव झा ने कहा कि साकेत में हुए बिल्डिंग हादसे के समय सरकार की ओर से इमारतों का ऑडिट कराने और जर्जर इमारतों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया था। यदि उस समय इमारतों का ऑडिट और जरूरी कार्रवाई कर दी गई होती, तो शायद चावड़ी बाजार में सात मजदूरों की जान नहीं जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डिंग ऑडिट के नाम जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। संजीव झा ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ सात मजदूरों की मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर पूरी कैबिनेट दिवाली उत्सव मनाने में व्यस्त रही। मंत्रियों के आवासों पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे थे और सरकार जश्न में डूबी हुई थी, लेकिन हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक रेस्क्यू अभियान चला, लेकिन सरकारी अधिकारी दिवाली समारोह में व्यस्त रहे।

संजीव झा ने मुख्यमंत्री से अपील की कि उत्सव और समारोहों से समय निकालकर मृतक मजदूरों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पराली जलाने के मुद्दे पर संजीव झा ने कहा कि यदि कपिल मिश्रा के दावों को सही भी मान लिया जाए, तब भी आंकड़ों के मुताबिक पहले पराली जलाने की करीब 72 हजार घटनाएं होती थीं, जो घटकर अब 1,500 से 2,000 के बीच रह गई हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में करीब 90 प्रतिशत की कमी आई थी। झा ने कहा कि किसानों की सराहना करने के बजाय उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि हादसे की निष्पक्ष जांच कराई जाए, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो तथा मृतक मजदूरों के परिवारों को जल्द उचित मुआवजा दिया जाए।

हर्ष मल्होत्रा ने हाथी घाट पर छठ की तैयारियों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अभय वर्मा ने सोमवार को लक्ष्मी नगर विधानसभा स्थित हाथी घाट, आई.टी.ओ. पर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि छठ एक आस्था का एवं प्रकृति पूजन का महापर्व है, जिसमें स्वच्छता का विशेष महत्व है। हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली, विशेषकर पूर्वी दिल्ली में छठ घाटों की सभी तैयारियां 13 नवंबर की शाम तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। उन्होने घाट की दीवारों पर किये आस्था से जुड़े सौन्दर्यीकरण की सराहना की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि लोक आस्था के महापर्व के तीन दिनों 14 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली में कोई आंदोलन ना रखा जाए, ताकि व्रतधारी महिलाओं को कोई असुविधा ना हो। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार पूर्वांचल मोर्चा के साथ-साथ महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सभी घाटों पर सेवा वालंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं इस छठ महापर्व आयोजन की तैयारियों पर लगातार निगाह रखे हुए हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को हर सुविधा उपलब्ध हो। उन्होने कहा की सरकार का प्रयास रहेगा की इस बार लक्ष्मी नगर विधान सभा के सभी घाट मॉडल घाट के रूप में उभरें।

गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में स्थापित होगा मेडिकल कॉलेज



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार रघुबीर नगर स्थित गुरु गोबिंद सिंह गवर्नमेंट हॉस्पिटल (जीजीएसजीएच) में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। जिसमें एमबीबीएस की 150 सीटें और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) की 40 सीटें होंगी। यह मेडिकल कॉलेज 1322 बेड वाले एक व्यापक स्वास्थ्य परिसर का हिस्सा होगा, जो वेस्ट दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा, विशेष उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार एक बेहद मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ सुलभ और उन्नत उपचार सुविधाएं शामिल हों। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना और इससे जुड़े अस्पतालों का विस्तार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा अस्पताल परिसर में लगभग 13 एकड़ क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बनाया जाएगा। इससे जुड़े हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर में 472 बिस्तरों वाला एक समर्पित 'मातृ एवं शिशु अस्पताल' और 850 बिस्तरों वाला एक 'जनरल अस्पताल' शामिल होगा, जिन्हें रघुबीर नगर में विकसित किया जा रहा है। यह विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल वर्तमान में वेस्ट दिल्ली की लगभग 10 लाख लोगों की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। इस बुनियादी ढांचे के विस्तार से इस क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवाओं, आपातकालीन उपचार और क्रिटिकल केयर तक पहुंच और मजबूत होगी।

दिल्ली में आज शुरू होगी यमुना रिवर क्रूज सेवा, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में छठ महापर्व से पहले मंगलवार को 'यमुना रिवर क्रूज सेवा का उद्घाटन केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सोनिया विहार में आयोजित कार्यक्रम में करेंगे। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 26 अक्तूबर को सोनिया विहार से जगतपुर तक क्रूज सेवा का ट्रायल रन किया था। सोनिया विहार से जगतपुर तक लगभग छह किलोमीटर के जलमार्ग पर विकसित की जा रही यह क्रूज सेवा दिल्ली में पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। नदी के आसपास उपलब्ध सुविधाओं को विकसित करके इस क्षेत्र को दिल्लीवासियों के लिए एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनाया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कियोस्क, रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए किड्स जोन और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की व्यवस्था की गई है। फिलहाल 30 यात्रियों की क्षमता वाला यह क्रूज सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक आने-जाने का पूरा सफर लगभग 35 से 45 मिनट का होगा। यात्रियों के लिए तैयार की गई व्यवस्था के अंतर्गत परिसर में प्रवेश शुल्क 50 रुपये और क्रूज की एक पूरी यात्रा का प्रस्तावित शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। इस परियोजना में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड सहित संबंधित एजेंसियां शामिल हैं।

एम्स में दीपावली पर पटाखों से आंखों और शरीर में चोट के 152 मामले पहुंचे, 18 मरीजों की आंखों की सर्जरी

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे



नई दिल्ली। दीपावली पर पटाखों से झुलसने और आंखों में चोट लगने के करीब 152 मामले यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में पहुंचे। इनमें 42 मरीज जलने की चोटों के साथ पहुंचे, जबकि करीब 110 मरीजों का डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र की आपातकालीन सेवा में उपचार किया गया। जलने के 11 मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। वहीं, आंखों में गंभीर चोट के कारण 18 मरीजों की सर्जरी की गई और 20 अन्य की सर्जरी की योजना है।

एम्स के प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव और बर्न्स सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष सिंघल ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि जलने के 42 मामलों में 11 गंभीर थे, जबकि 31 मरीजों को मामूली चोटें आई थीं। इनका उपचार कर छुट्टी दे दी गई। घायलों में करीब 18 बच्चे 18 वर्ष तक की उम्र के थे। युवाओं के हाथों, खासकर दाएं हाथ में अधिक चोटें आईं। पटाखों में अनार से चेहरे और हाथों पर सबसे ज्यादा जलने की चोटें आईं। पोटाश से जलने के दो मामले भी सामने आए। डॉ. सिंघल के अनुसार, पिछले साल दीपावली के दौरान दो से तीन दिन तक आए मरीजों को मिलाकर जलने के करीब 95 मामले दर्ज किए गए थे। इस बार अब तक 42 मामले आए हैं। अगले दो से तीन दिनों में और मरीज आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि दीपावली के आसपास अस्पताल में जलने के मामले आते रहते हैं और इस बार अब तक के आंकड़े लगभग सामान्य हैं।

वहीं, एम्स की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 08 नवंबर को दीपावली के दिन और 09 नवंबर तक आंखों में चोट के करीब 110 मामले आए। इनमें अधिकांश पटाखों से जुड़ी चोटें थीं। कुल 72 मरीजों को ऐसी चोटें आई थीं, जिनसे उनकी आंखों की रोशनी को खतरा नहीं था। उनका बिना सर्जरी के उपचार किया गया। एम्स के अनुसार, 18 मरीजों की आंखों के कॉर्निया में छेद और कटने जैसी गंभीर चोटें थीं। इनकी आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी की गई। इसके अलावा 20 अन्य मरीजों की सोमवार को सर्जरी की योजना बनाई गई है। आंखों में चोट के मामलों में भी अधिकांश मरीज बच्चे और युवा थे।

रेलवे ने एक लाख से अधिक विशेष स्वच्छता अभियान चलाए, कबाड़ बेचकर 628.49 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने विशेष अभियान-छह के तहत देशभर में एक लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए और कबाड़ के निस्तारण से 628.49 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह राशि अभियान के लिए निर्धारित 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य से अधिक है। इस दौरान 5,884 रेलवे स्टेशनों पर रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर यात्रियों से सीधे सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त की गई।

मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि विशेष अभियान 6 का आयोजन दो से 31 अक्टूबर तक देशभर के क्षेत्रीय रेलवे, मंडलों, उत्पादन इकाइयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में किया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता, कबाड़ निस्तारण, ई-कचरा प्रबंधन, स्थान के बेहतर उपयोग, अभिलेखों के प्रबंधन और लंबित मामलों के समयबद्ध निपटारे पर विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं और अन्य प्रतिष्ठानों में एक लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए।

कबाड़, अनुपयोगी सामग्री और बेकार वस्तुओं को हटाकर 6,20,121 वर्ग फुट जगह भी खाली कराई गई। इस वर्ष अभियान में ई-कचरे के प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत 1.50 लाख से अधिक ई-कचरा इकाइयों का निस्तारण किया गया, जिससे 10.43 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे ने पुराने भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की समीक्षा के साथ जन शिकायतों, अपीलों, संसदीय आश्वासनों, विशिष्ट व्यक्तियों से प्राप्त संदर्भों और अन्य लंबित मामलों के निस्तारण के लिए भी अभियान चलाया। रेल जन संवाद के तहत 22 अक्टूबर को देशभर के 5,884 रेलवे स्टेशनों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गाजीपुर में दो हजार टन प्रतिदिन क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट लगेगा, केंद्र देगी 122 करोड़ की सहायता : स्थायी समिति अध्यक्ष



नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने गाजीपुर डंपसाइट पर प्रतिदिन 2000 टन ठोस कचरे के निस्तारण और उससे बिजली उत्पादन के लिए अत्याधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने का रास्ता साफ कर दिया। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि इस परियोजना के लिए मेसर्स जबलपुर एमएसडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है। प्लांट में उत्पादित बिजली की दर 7.39 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई है, जिसे दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने 13 अक्टूबर 2026 को मंजूरी दी है। सत्या शर्मा ने बताया कि परियोजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत 122 करोड़ रुपये की वायबिलिटी गैप फंडिंग दी जाएगी। परियोजना को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इसके तहत चयनित कंपनी प्लांट का निर्माण, वित्तपोषण और संचालन करेगी। व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने के बाद कंपनी 25 वर्षों तक इसका संचालन करेगी। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए निगम की ओर से पारदर्शी ई-निविदा प्रक्रिया अपनाई गई। तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के बाद कंपनी का चयन किया गया। बिजली की दर को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 63 के तहत डीईआरसी से नियामक मंजूरी मिली है। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में बढ़ती कचरे की समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निस्तारण और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। इस प्लांट के शुरू होने से प्रतिदिन 2000 टन कचरे का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जा सकेगा। इससे कचरा प्रबंधन की क्षमता बढ़ेगी और कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के निर्माण और संचालन के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और अन्य पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

दिवाली पर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि- कपिल मिश्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब में दिवाली के दिन पराली जलाने की 10 गुना वृद्धि (1200 घटनाओं) को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिवाली की शाम से पंजाब के किसानों के फोन आने शुरू हुए, जिनमें बताया गया कि जब किसान अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे थे, उस दौरान उनके खेतों में आग लगाई जा रही थी। शुरुआत में इन शिकायतों पर विश्वास करना कठिन था, लेकिन लगातार विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी सूचनाएं मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के सैटेलाइट डेटा मंगवाया गया।

कपिल मिश्रा ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 9 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 5, 6 और 7 नवंबर को पराली जलाने की घटनाएं लगभग 100 से 125 के बीच दर्ज हुई थीं, जबकि 8 नवंबर की शाम यह संख्या अचानक बढ़कर लगभग 1200 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में घटनाओं की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों के खेतों में जानबूझकर आग लगाकर दिवाली, किसानों और दिल्ली को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। कपिल मिश्रा ने कहा कि



'7 नवंबर को लगभग 125 स्थानों पर पराली जलने की घटनाएं थीं, फिर दिवाली के दिन अचानक 1200 स्थानों पर आग कैसे लग गई? 10 गुना से ज्यादा आंकड़ा कैसे बढ़ गया? यह बहुत गंभीर विषय है। मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब के किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं। कुछ जगहों पर मजबूरी में आग लगी होगी, लेकिन दिवाली के दिन अचानक इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं सामने आना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि 'यह किसानों के खिलाफ साजिश है, यह दिवाली के खिलाफ साजिश है, यह दिल्ली के खिलाफ साजिश है और यह पंजाब के खिलाफ साजिश है। कपिल मिश्रा ने पंजाब के विभिन्न शहरों के प्रदूषण स्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि 9 नवंबर की सुबह मलोट में एक्यूआई 1238, अबोहर में 1307 और संगरूर में 1651 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों और आम नागरिकों का भी दम घुट रहा है। उन्होंने सवाल किया कि 'आज संगरूर का जो एक्यूआई है, उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? बठिंडा का? तो किसकी जिम्मेदारी होगी? आखिर पंजाब के किसानों के खेतों में आग कौन लगा रहा है और यह आग क्यों लगवाई जा रही है? कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया कि दिवाली से पहले ही आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा दिवाली, पटाखों और सनातन परंपराओं के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि दिवाली के खिलाफ अपमानजनक बयान, हिंदुओं के त्योहारों का अपमान और सनातन परंपराओं के खिलाफ अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में अचानक हुई वृद्धि और दिवाली के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के समय को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और उनकी पार्टी के लोग दिवाली, पटाखों और सनातन के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। सनातन को गाली देना और हिंदुओं के त्योहारों का अपमान करना बंद करिए। दिवाली और सनातन के खिलाफ यह पाप मत करिए। इस पाप के लिए ईश्वर आपको कभी माफ नहीं करेगा। कपिल मिश्रा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपील की कि 8 नवंबर की रात जिन-जिन क्षेत्रों में खेतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं, वहां तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए और विस्तृत जांच की जाए। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को केवल 125 जगह पर पराली जलाई गई, 6 नवंबर को लगभग 100 जगह और 5 नवंबर को भी लगभग 100 जगह पर घटनाएं दर्ज हुईं। फिर 8 नवंबर की शाम अचानक 1200 जगहों पर आग कैसे लग गई? यह सैटेलाइट का वैज्ञानिक आंकड़ा है, जो गंभीर सवाल खड़े करता है। दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण आज भी एक गंभीर समस्या है और इसे समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में प्रदूषण में 43.33 प्रतिशत और 2024 में लगभग 10 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष पहली बार प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों में 1.33 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।

एक नजर

फरीदाबाद में डंपर ने बाइक सवारों को कुचला, मौके पर मौत

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में दीवाली वाली रात पाली-भाखरी रोड पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि मृतकों की पहचान पाली गांव निवासी हरेंद्र भड़ाना (42) और नेहरू कॉलोनी निवासी साहिल (22) के रूप में हुई है। घायल युवक बबलू है। मौके पर पुलिस को हेलमेट नहीं मिला। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक उद्योग से ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। वहीं, इसी दौरान पाली-भाखरी रोड पर अज्ञात डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सडक़ पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने ही किसी अन्य वाहन में तीनों को उपचार के लिए प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हरेंद्र भड़ाना और साहिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बबलू की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि साहिल ने धनतेरस के अवसर पर नई बाइक खरीदी थी। इसी बाइक पर सवार होकर तीनों युवक ड्यूटी से घर लौट रहे थे। लेकिन छोटी दीवाली की रात हुए हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। डंपर ड्राइवर और हादसे के कारणों को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

छत से युवक के सिर पर गिरा पत्थर, अस्पताल ले जाते समय मौत

गुरुग्राम। यहां मनोहर नगर में दिवाली की रात सिर पर पत्थर गिरने से 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ त्योहार मनाने आया था और छत पर एक कॉल सुनने गया था। इसी दौरान एक पत्थर उसके सिर पर लगा और वह वहीं गिर गया। दोस्त उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया मूल रूप से बिहार का रहने वाला मिथुन अर्जुन नगर में रहता था और प्लंबर का काम करता था। रात करीब 11 बजे उसके मोबाइल पर कॉल आई। इसके बाद वह दोस्तों के साथ बैठना छोडक़र छत पर फोन सुनने चला गया। इसी दौरान पास की दूसरी छत से एक भारी पत्थर उसके सिर पर गिरा। मिथुन घायल होकर वहीं गिर पड़ा। उसे स्थानीय सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर न्यू कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मीडिया से बात नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश में जुटी है।

फरीदाबाद के निशांत का न्यूक्लियर साइंटिस्ट पद पर हुआ चयन

फरीदाबाद। फरीदाबाद के गांव सदपुरा के रहने वाले निशांत वशिष्ठ का चयन उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर स्थित नरोरा परमाणु ऊर्जा केंद्र में न्यूक्लियर साइंटिस्ट के पद पर हुआ है। उनकी इस सफलता से परिवार के साथ-साथ गांव में भी खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने गांव पहुंचने पर निशांत का फूल-मालाओं से स्वागत किया। निशांत ने अपनी शुरुआती पढ़ाई फरीदाबाद के एक निजी स्कूल से पूरी की। यहां से 10वीं और 12वीं करने के बाद उन्होंने जालंधर स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दाखिला लिया। यहां उन्होंने केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीटेक में गोल्ड मेडल हासिल किया। इसी दौरान उन्होंने न्यूक्लियर साइंस के क्षेत्र में आगे बढऩे का लक्ष्य तय किया। बीटेक पूरा करने के बाद निशांत को गुजरात के सूरत स्थित कृभको में नौकरी मिल गई। वहां काम करने के साथ उन्होंने अपने लक्ष्य की तैयारी जारी रखी। लगातार मेहनत और पढ़ाई का नतीजा रहा कि उनका चयन नरोरा परमाणु ऊर्जा केंद्र में न्यूक्लियर साइंटिस्ट के पद पर चयन हो गया। निशांत के पिता विजय उर्फ बिजेंद्र कुमार शिक्षक हैं, जबकि उनकी मां पूनम शर्मा गृहिणी हैं। उनका छोटा भाई ध्रुव वशिष्ठ भी इंजीनियर है।

रेलवे इंजन से टकराया कंटेनर, ड्राइवर समेत दो घायल

फरीदाबाद। फरीदाबाद के ग्रीनफील्ड एरिया में गुरुकुल के पास लक्कड़पुर इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार रात को एक कंटेनर ट्रक रेलवे के मैकेनिकल इंजन से टकरा गया। हादसे में कंटेनर चालक और एक बाइक सवार घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद चालक को केबिन से बाहर निकाला। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों की हालत स्थिर है। पुलिस के मुताबिक, कंटेनर पहले सडक़ किनारे पेड़ से टकराया था। इसके बाद अनियंत्रित होकर आगे बढ़ा और प्लेसर इंडिया कंपनी के बाहर रेलवे ट्रैक पर खड़े मैकेनिकल इंजन से भिड़ गया। फिलहाल किसी पक्ष ने लिखित शिकायत नहीं दी है। जानकारी के अनुसार, देर शाम कंटेनर ट्रक लक्कड़पुर इंडस्ट्रियल एरिया के रास्ते से गुजर रहा था।

गाजियाबाद में दीवाली की रात कई इलाकों में आग का तांडव



गाजियाबाद,एजेंसी। दीपावली पर आतिशबाजी के बीच जिले में आग लगने की घटनाओं ने दमकल विभाग की मुश्किलें बढ़ा दीं। रविवार को हर दो-चार मिनट के अंतराल पर आग लगने की सूचनाएं मिलती रहीं। रात 12 बजे तक जिले में आग लगने की कुल 50 सूचनाएं प्राप्त हुईं। दमकल विभाग की सभी इकाइयां लगातार आग बुझाने में जुटी रहीं। इस दौरान फैक्ट्री, आवासीय सोसायटी के फ्लैट और दुकान में आग लगने की बड़ी घटनाएं सामने आईं। दमकलकर्मियों की तत्परता से इन घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई।

क्रॉसिंग रिपब्लिक की जीएच-7 सोसायटी के टावर नंबर सात की दसवीं मंजिल पर रविवार रात करीब आठ बजे आग लग गई। फ्लैट स्वामी साकेत जैन परिवार के साथ अलवर गए हुए थे। सोसायटी के लोगों ने बालकनी से आग की लपटें उठती देख दमकल विभाग को सूचना दी। क्रॉसिंग रिपब्लिक और कोतवाली अग्निशमन केंद्र से गाड़ियां पहुंचीं। आग की तीव्रता और धुएं को देखते हुए वैशाली से हाइड्रोलिक प्लेटफार्म भी बुलाया गया। फ्लैट में धुआं भरा होने के कारण दमकलकर्मियों ने बीए सेट पहनकर अंदर प्रवेश किया। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। घरेलू सामान जल गया, लेकिन आग अन्य फ्लैटों तक नहीं पहुंची। इस दौरान दमकलकर्मियों ने एक्वेरियम में मौजूद मछली को भी सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं, साउथ साइड जीटी रोड स्थित नोवा फार्म वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड में शाम करीब पांच बजे आग लग गई। फैक्ट्री में प्लास्टिक की सेटरिंग का सामान बड़ी मात्रा में रखा था, जिससे आग तेजी से फैलने लगी। मौके पर कोतवाली अग्निशमन केंद्र से पांच दमकल गाड़ियां और वैशाली से दो वाटर बाउजर भेजे गए। आग की विकरालता को देखते हुए अन्य अग्निशमन केंद्रों और दूसरे जिलों से भी गाड़ियां मांगी गईं। दमकल टीम ने चार हौज लाइन फैलाकर फोम की मदद से आग बुझाई। इस घटना में भी कोई जनहानि नहीं हुई। इसके अलावा वेव सिटी थाना क्षेत्र के डासना में रेडीमेड कपड़ों की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखा हजारों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रयास कर आग पर काबू पाया। सीएफओ सौरभ कुमार सिंह के अनुसार रात 12 बजे तक मिलीं सभी 50 सूचनाओं पर फायर सर्विस की टीमें लगातार कार्रवाई करती रहीं।

गुरुग्राम में गैंगवार, कार से जा रहे युवक की 15 गोलियां मारकर हत्या

गुरुग्राम। जिला के सिधरावली गांव में सोमवार की सुबह बदमाशों ने सिधरावली गांव के ही दीपक उर्फ दीपू (35) की गोलियां मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर गांव के बस अड्डे के पास उसकी स्विफ्ट कार को दूसरी गाड़ी से ओवरटेक कर रोका और ड्राइविंग सीट पर बैठे दीपक पर फायरिंग की। बताया जा रहा है कि दीपक को करीब 15 गोलियां लगी हैं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह करीब आठ बजे राहगीरों ने कार में उसका लहूलुहान शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। दीपक अशोक राठी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उस पर गैंगस्टर अशोक राठी की पत्नी सुषमा की हत्या का भी आरोप था। पुलिस मामले की जांच गैंगवार के एंगल से भी कर रही है। सोमवार सुबह सिधरावली गांव के बस अड्डे के पास फुट ओवरब्रिज के निकट मारुति स्विफ्ट कार खड़ी मिली। दीपक कार की ड्राइविंग सीट पर मृत पड़ा था।

बिलासपुर थाना प्रभारी सुनील ने बताया कि दीपक रात करीब 12 बजे घर से निकला था। आशंका है कि किसी ने उसे फोन करके बुलाया होगा। गांव से निकलकर जैसे ही वह एनएच-48 की सर्विस लेन पर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद बदमाशों ने उसे निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने दीपक पर 15 से 20 राउंड फायरिंग की। इनमें से 10 से 15 गोलियां उसे लगने की आशंका है। उसे कितनी गोलियां लगीं, इसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगी। दीपक का नाम दिल्ली-एनसीआर के अपराध जगत में लंबे समय से जुड़ा हुआ था।

गुरुग्राम में दिवाली की रात प्रदूषण से हुई जहरीली, एक्यूआई स्तर हुआ 900 पार

गुरुग्राम। दिवाली की रात पटाखों के धुएं से गुरुग्राम की हवा बेहद खराब हो गई। देर रात तक शहर धुएं की चादर में लिपटा रहा। इससे बीमारों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सांस लेने में परेशानी हुई। अस्थमा और सांस के मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। कई सोसायटियों में लोगों ने खिड़कियां बंद कर रात गुजारी। सुबह तक भी शहर में प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना रहा। पर्यावरण विशेषज्ञ डा. राम सिंह का कहना है कि पटाखों से निकले जहरीले कण कई दिनों तक हवा में बने रह सकते हैं।

गुरुग्राम में जुलाई 2025 में सबसे कम प्रदूषण स्तर 81 एक्यूआई था, जो नवंबर 2026 में दिवाली की रात 900 को पार कर गया। गुरुग्राम में दिवाली की रात पूजा-पाठ करके लोग पटाखे जलाने में जुट गए थे। रात 07:30 बजे एक्यूआई 261 था, जो अगले आधे घंटे में ही बढक़र यानी आठ बजे 303 हो गया। 08:31 बजे 374, 09:01 बजे 464, 09:31 बजे 608, रात 11:01 बजे प्रदूषण का स्तर 955 एक्यूआई तक पहुंच गया, जो सबसे अधिक रहा। यानी इस समय में लोगों ने ताबड़तोड़ पटाखे फोड़े और प्रदूषण के स्तर को जानलेवा बना दिया। सोमवार की सुबह 07:01 बजे प्रदूषण का स्तर घटकर 400 एक्यूआई तक पहुंचा। सुप्रीमकोर्ट की ओर से दिवाली पर पटाखे जलाने के लिए समय और दिन तय किए गए थे। सात और आठ नवंबर को सुबह छह से सात बजे तक और रात आठ से 10 बजे तक का समय सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने का तय किया गया था। लोगों ने कई दिन पहले से ही गोदामों से पटाखों की खरीदारी शुरू कर दी थी। यानी ग्रीन से अधिक सामान्य पटाखों की बिक्री पहले ही हो चुकी थी। लोगों ने दिवाली की पूरी रात पटाखे जलाए। नया हो या पुराना गुरुग्राम, हर जगह पर लोगों ने सुप्रीमकोर्ट के आदेशों की परवाह किए बिना ही खूब पटाखे जलाए। इसलिए दिवाली के मौके और उसके बाद गुरुग्राम में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक और गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों की मात्रा बहुत अधिक बढ़ गई है, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पुराने गुरुग्राम के रिहायशी इलाकों में देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी के बीच धुएं का गुबार फैलता चला गया। सडक़ों और मकानों के आसपास धुएं की परत छाई रही। रात के समय वातावरण में प्रदूषण का असर साफ महसूस किया गया।

ग्रेटर नोएडा के गौड़ चौक अंडरपास का ट्रायल जारी

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौड़ चौक (किसान चौक) अंडरपास का ट्रायल रन सोमवार को भी जारी रहा। प्राधिकरण ने इसका ट्रायल 5 नवंबर से 8 नवंबर तक करने के लिए कहा था और इसके बोर्ड भी लगवाए गए थे।लेकिन सोमवार को भी वाहन चालक अंडरपास से फर्राटा भरते हुए निकलते रहे। ट्रायल में ही वाहन चालकों को जाम से बड़ी राहत मिली है। इससे साफ है कि अंडरपास पूरी तरह शुरू होने के बाद गौड़ चौक की तस्वीर ही बदल जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों में ट्रायल के दौरान करीब ढाई लाख गाड़ियां गुजरी। इस दौरान अंडरपास में लाइटिंग की कमी महसूस हुई और धूल अधिक उड़ने के कारण दोनों किनारों में घास लगाने का फैसला किया गया।

परियोजना विभाग के मुताबिक फिलहाल तीन-चार दिन के लिए ट्रायल का समय और बढ़ा दिया गया है। इसके बाद लाइटिंग और घास का काम अंडरपास में किया जाएगा। बता दें कि, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने करीब 92 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन का अंडरपास बनाया है। यह करीब 700 मीटर लंबा अंडरपास है। इसके अलावा चौराहे के पास दो यूटर्न भी विकसित किए गए हैं। बृहस्पतिवार को इसका ट्रायल शुरू हुआ था। ट्रायल शुरू होते ही गौड़ चौक पर लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिली है। पहले जहां लोगों को चौराहा पार करने में 20 से 30 मिनट लग जाते थे, अब वह कुछ ही मिनट में पार हो रहा है। इसका फायदा सिर्फ ग्रेनो वेस्ट की सोसायटियों को ही नहीं मिलेगा, बल्कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के निवासियों को भी मिलेगा। ग्रेनो वेस्ट में लाखों लोग रहते हैं और रोजाना नौकरी, स्कूल और अन्य कामों के लिए नोएडा-दिल्ली जाते हैं। गौड़ चौक उनके रास्ते का सबसे बड़ा जाम प्वाइंट था। अब अंडरपास से उनका रोज का सफर आसान होगा, समय बचेगा और पेट्रोल-डीजल की भी बचत होगी। जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह का कहना है कि अंडरपास अभी ट्रायल रन पर है। इसके समय को तीन-चार दिन और बढ़ाया गया है। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ट्रायल के दौरान अंडरपास में पानी भरने, लाइट, साइनेज और सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच कर रही है।

कुत्ते ने बच्चे को दबोचा, लोगों ने चुंगल से छुड़ाया



फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद के एनआईटी नंबर-1 इलाके में एक कुत्ते ने 6 साल के बच्चे को हमला कर अपने कब्जे में ले लिया। कुत्ता काफी देर तक बच्चे के पास बैठा रहा। जब भी कोई उसे बचाने के लिए आगे आता तो कुत्ता भौंकने लगता। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डंडों से कुत्ते को पीटकर उसे दूर भगाया। इसके बाद बच्चे को कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया गया। कुत्ते ने बच्चे के होंठ के पास काटा हुआ था। स्थानीय लोग उसे तुरंत बीके अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्चे के घाव पर 7 टांके लगाए। उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार, सोनिया चौक के पास रहने वाली अनीता ने बताया कि उसका 6 साल का बेटा निखिल रविवार सुबह अपने बड़े भाई के साथ खेलने के लिए घर से निकला था। कुछ देर बाद बड़ा बेटा तो वापस आ गया, लेकिन निखिल नहीं लौटा। इसके बाद उसने अपनी बेटी को निखिल की तलाश के लिए भेजा। काफी देर तक उसका पता नहीं चला तो परिवार ने सोचा कि वह खेलने के बाद घर लौट आएगा। स्थानीय निवासी बिट्टू ने बताया कि वह किसी काम से वहां से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्हें लकड़ी की एक झोपड़ी से बच्चे के रोने जैसी आवाज सुनाई दी। उन्होंने अंदर जाकर देखा तो एक कुत्ते ने बच्चे को पकड़ रखा था। कुत्ता उसके पास ही बैठा हुआ था और बच्चा जमीन की तरफ मुंह करके लेटा था। बच्चे के कपड़े फटे हुए थे। उन्होंने आवाज लगाई तो बच्चा बोल नहीं पा रहा था। बिट्टू ने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि बच्चा बेहोश पड़ा है। हालांकि, बच्चे की आवाज सुनने के बाद उन्होंने आसपास के लोगों को मौके पर बुलाया। लोगों ने कुत्ते को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह बच्चे को छोड़ नहीं रहा था और बचाने के लिए आगे आने वालों पर भौंक रहा था। इसके बाद कुछ लोगों ने डंडों से कुत्ते को पीटकर दूर भगाया। फिर बच्चे को वहां से बाहर निकाला गया। बिट्टू बच्चे को इलाज के लिए बीके अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसके होंठ के पास कुत्ते के काटने से हुए घाव पर 7 टांके लगाए। उपचार के बाद बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बेलगाम ऑटो पलटा, पति की मौत, पत्नी व तीन बच्चे घायल

फरीदाबाद। फरीदाबाद के बदरपुर बॉर्डर पर तेज रफ्तार ऑटो बेकाबू होकर सडक़ किनारे लगे लोहे के एंगल से टकराकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार 25 वर्षीय जावेद की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और तीन बच्चे घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, जावेद उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के नगला खीरी का रहने वाला था।

वह दिल्ली में रंगोली बेचने का काम करता था। रविवार देर रात वह पत्नी और बच्चों के साथ गांव लौटने के लिए बदरपुर बॉर्डर पर बस पकडऩे जा रहा था। हादसे के बाद ऑटो ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और जावेद के शव का पोस्टमार्टम करवाया। सराय थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जावेद अपनी पत्नी बबली और 3 बच्चों के साथ दिल्ली आया हुआ था। रविवार देर रात करीब 3 बजे परिवार गांव लौटने के लिए बदरपुर बॉर्डर पर बस पकडऩे जा रहा था। इसके लिए उन्होंने ऑटो लिया था।

गुरुग्राम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी ने दी शिकायत

गुरुग्राम। बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर (सेवानिवृत) टी.सी. राव ने उद्योग विहार पुलिस थाना में शिकायत दी है। आरोप है कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में अहीर समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

टी.सी. राव का आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री अपने प्रवचनों और बयानों के माध्यम से अहीर समाज में कथित रूप से सौहार्द बिगाडऩे का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रमों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाने में दी शिकायत में कहा है कि तीन नवंबर को शाम एक राष्ट्रीय चैनल पर डिबेट शो चल रहा था। आरोप है कि बहस में शामिल पैनलिस्ट प्रो. संगीत रागी द्वारा चर्चा के दौरान यादव-अहीर समाज, उनकी गौरवशाली भाषा और सम्मानित पूर्वजों को लेकर कथित रूप से बेहद आपत्तिजनक, अमर्यादित और समाज को नीचा दिखाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया गया। पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और वैचारिक असहमति जताने की पूरी स्वतंत्रता है। विचारों की इस आजादी और असहमति की आड़ में किसी पूरे समाज, उसकी ऐतिहासिक पहचान और करोड़ों लोगों के सम्मान को सरेआम ठेस पहुंचाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है।

मेजर डॉ. टी.सी. राव ने पुलिस प्रशासन से बेहद स्पष्ट और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि संबंधित समाचार चैनल से तीन नवंबर के उस कार्यक्रम की बिना किसी कांट-छांट वाली पूरी रिकॉर्डिंग आधिकारिक तौर पर मंगवाई जाए। वीडियो और ऑडियो के एक-एक हिस्से की बारीकी से जांच हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। डॉ. राव ने कहा कि इस मामले में केवल विवादित टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की ही जवाबदेही तय न हो, बल्कि कार्यक्रम का संचालन कर रहे एंकर, चैनल की संपादकीय टीम और लाइव प्रसारण से जुड़े सभी जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जानी चाहिए।

दीवाली के बाद फरीदाबाद की हवा हुई जहरीली, 949 तक पहुंचा प्रदूषण का स्तर

फरीदाबाद,एजेंसी। दीवाली की रात जमकर हुई आतिशबाजी से औद्योगिक नगरी फरीदाबाद का वायु प्रदूषण का स्तर एकाएक बढऩे से शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। आतिशबाजी के बाद शहर की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है और कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। वैसे भी फरीदाबाद जिला देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में पांचवें नंबर पर आ गया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह और शाम के समय वातावरण में धुंध और धुएं की परत दिखाई दे रही है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने एक बार फिर शहर में स्वच्छ हवा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि प्रशासन से प्रदूषण को लेकर ग्रेप-2 लागू किया हुआ है परंतु शहर में इसके सरेआम अवहेलना हो रही है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, फरीदाबाद के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर काफी अधिक दर्ज किया गया है। सेक्टर-11 में एक्यूआई 410 तक पहुंच गया, जबकि बल्लभगढ़ में यह आंकड़ा 517 से 528 के बीच दर्ज किया गया। सबसे चिंताजनक स्थिति सेक्टर-16 की बताई जा रही है, जहां एक्यूआई 627 से 949 तक पहुंचने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा न्यू इंडस्ट्रियल टाउन (एनआईटी) क्षेत्र में भी प्रदूषण का स्तर 500 से 540 के बीच दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि शहर के कई प्रमुख आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में पहुंच गई है। दीवाली के दौरान हुई आतिशबाजी को प्रदूषण बढऩे का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसके साथ ही वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक इकाइयों से होने वाला उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उडऩे वाली धूल और सडक़ों पर उड़ती मिट्टी भी वायु प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे सकती है। मौसम में हवा की गति कम होने और प्रदूषक तत्वों का वातावरण में जमा होने से भी स्थिति गंभीर हो सकती है। प्रदूषण के इस बढ़ते स्तर का सीधा असर आम जनजीवन पर पडऩे की आशंका है। हवा में मौजूद सूक्ष्म प्रदूषक कण लोगों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

दिवाली की रात नौ जगह लगी आग, दर्जनों झुग्गियां जलीं



फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद के मेवला महाराजपुर इलाके में दिवाली की देर रात पटाखे से निकले रॉकेट के कारण एक दर्जन से ज्यादा झुग्गियों में आग लग गई। आग तेजी से फैली तो झुग्गियों में रहने वाले परिवारों में अफरा-तफरी मच गई। लोग बच्चों और परिवार के सदस्यों को लेकर जान बचाने के लिए बाहर भागे। आग की चपेट में आने से कई परिवारों का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची। दमकल की 10 से 12 गाड़ियों ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हालांकि, दीपावली की रात फरीदाबाद के कई अन्य इलाकों में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। दीपावली की देर रात एक रॉकेट उड़कर मेवला महाराजपुर की झुग्गियों पर जा गिरा। इससे एक झुग्गी में आग लग गई। झुग्गियां एक-दूसरे से सटी होने और आसपास ज्वलनशील सामान रखे होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। देखते ही देखते एक दर्जन से ज्यादा झुग्गियां इसकी चपेट में आ गईं। आग लगते ही झुग्गियों में चीख-पुकार मच गई। लोग बच्चों और परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुट गए। कई लोगों ने घरों में रखा सामान बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण उन्हें सामान छोड़कर बाहर निकलना पड़ा। आग बुझने के बाद झुग्गियों में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था। दीपावली की रात मेवला महाराजपुर के अलावा पल्ला, सेक्टर-91, लक्कड़पुर, तिलपत, गाजीपुर, डबुआ चौक स्थित साइकिल स्टोर, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के सेक्टर-30-33 स्थित एक मकान की पहली मंजिल और सेक्टर-46 की झुग्गियों में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं में किसी के जान गंवाने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, अलग-अलग जगह लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सेक्टर-31 फायर स्टेशन के कर्मचारी जोगेंद्र भड़ाना ने बताया कि मेवला महाराजपुर में आग की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की 10 से 12 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कर्मचारियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग बुझाने और उसे आसपास की झुग्गियों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

दीपोत्सवः भारत के प्रकाश अभिप्सु चित्त की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति

हृदयनारायण दीक्षित



दीपोत्सव भारत के प्रकाश अभिप्सु चित्त की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है। हर बरस कार्तिक महीने की अमावस्या में रात्रि का गहन अंधकार दिक्काल को प्रकाश से भर देता है। सृष्टि के आदिकाल से मनुष्य प्रकाश का प्यासा है। वैदिक ऋषियों ने तमसो मा ज्योतिर्गमय के स्तुतिवाचन किए हैं। प्रकृति में प्रकाश के अनेक स्रोत हैं। सूर्य हैं। वे प्रकाशदाता हैं। मेरे मन में बार-बार आता है कि सूर्य प्रति दिवस नियत समय उग कर हम सबका कुशलक्षेम जानने के लिए ही आते हैं। प्रकाश के अनेक रूप हैं। प्रकाश के एक रूप सूर्य हैं। प्रकाश दिव्यता है। जहां-जहां दिव्यता है, वहां-वहां देवता। भारतीय चिन्तन में प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं इसीलिए प्रकाशदाता सूर्य उपास्य देवता हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र में सूर्य-सविता से प्रकाश के वरण की प्रार्थना की गई है-तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात। अग्नि भी प्रकाशदाता हैं। ऋग्वेद में उन्हें कवि और परम विद्वान बताया गया है। लेकिन सूर्य की बात दूसरी है। वे आत्मसंयमी कर्मठ देवता हैं। सूर्य लाखों वर्षों से लगातार तप रहे हैं। सोचता हूं कि उनका ईंधन कब तक जलेगा। प्रकाश के लिए ईंधन की आवश्यकता होती ही है। प्रकाशदाता सूर्य जब आते हैं, तब ऊषा कहलाते हैं। जाते हैं तो प्रकाश और अंधकार के मिलन बिन्दु को संध्या कहते हैं। हमारे पूर्वजों ने अंधकार से भरी पूरी अमावस्या को प्रकाश से भर दिया। प्रकाश उत्सव मनाने के लिए दीप प्रतीक बनाया गया। दीप भारत के सांस्कृतिक मन की खूबसूरत धारणा है। प्रकाश है तो भारत का मन मनोरम होगा ही। मेरे लेखे प्रकाश में गंध भी होती होगी। प्रकाश में सात रंग होते हैं। सात दिन होते हैं। ध्वनि में सात सुर होते हैं। दीपावली की रात सात सुर, सात रंग सब एक साथ समवेत होते हैं।

मैं विश्वासपूर्वक प्रकाश को गंधपूर्ण नहीं कह सकता। लेकिन दीपावली के महापर्व में भारत का मन सुगंध से भर जाता है। अंग्रेजी के प्रतिष्ठित कवि शेली ने प्रकाश गंध का उल्लेख किया है। उन्होंने एडोनिस नाम की कविता में कहा है कि, 'व्हेन स्प्लेंडर इज चेंज्ड टू फ्रेगरेंस - जब प्रकाश की आभा गंध में बदल जाती है, तब जैसे नक्षत्रों ने अपना रूप बदल लिया है फूलों में।' यहां नक्षत्र की आभा का रूपांतरण हो गया है। और प्रकाश गंध बन गया है। दीप प्रकाश में भी गंध है। लेकिन थोड़ा अंतर जान पड़ता है। प्रकाश अक्षुण्ण है और प्रकाश में भी गंध होती है। हम भारतवासियों को प्रकाश गंध का अनुभव भले न हो लेकिन दीपोत्सव की गंध से सारा भारत मदमस्त रहता है। भारत का मन संस्कृति से बना है और संस्कृति भारत के मन से बनी है। हम भारतवासी हजारों वर्षों से दीपरस के प्यासे हैं। प्रकाश रस या गंध अति सूक्ष्मतर है। सूक्ष्म सुंदर होता भी है। सुंदरता भी सूक्ष्म ही है। जान पड़ता है कि प्रकृति का सारा सौन्दर्य, आभा, प्रभा, सुगंध या सरस मधुमय चेतन सूक्ष्म ही है। यहां संग्रही लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं। सूक्ष्म का संग्रह असंभव है। ऐसे प्रयास में चेतन फिसल जाता है और मृत काया ही हाथ आती है। तोता मैना या गीत गाता कोई सुंदर पक्षी मन भावन होता है। अपने साथ लाइए तो गीत छूट जाते हैं, सौन्दर्य फिसल जाता है। प्राणी आता है, प्राणों का छन्द खो जाता है। लेकिन दीप प्राणमय है। दीप हमारे पूर्वजों की कृति है। प्रकृति नहीं सुकृति। इसलिए संस्कृति। तुलसीदास मध्यकालीन महाकवि हैं। रामचरित मानस के उत्तरकाण्ड वाला ज्ञानदीपक का प्रसंग गाने का मन करता है। विज्ञान दीप है यह। यहां योग की अग्नि है ज्ञान का घृतरस है। बुद्धि विज्ञानरूपिणी है। तीन गुणों से युक्त कपास की बाती है लेकिन इसे बनाने में चित्त की तुरी-अवस्था का प्रयोग किया गया है-तूल तुरीय संवारि पुनि बाती करै सुगाढ़ि। फिर समता का दिया है। दीपक की लौ में 'सो अहं अस्मि '-(मैं सम्पूर्णता का अंश हूं) की वृत्ति है। ऐसे में बने दीपक की प्रकाशधारा 'दीपशिखा सोई परम प्रचण्डा' है। तुलसी के मानस का यह दीप भारतीय अन्तःप्रज्ञा और दर्शन का प्रतिनिधि है। मानस की यह पंक्तियां झमाझम प्रकाश देती है। दुनिया के सभी दर्शनवेत्ताओं को इन्हें ध्यान से पढ़ना चाहिए।

ज्योति राग हजारों बरस से भारतीय मन की प्यास है। यह प्यास असाधारण है। साधारण प्यास जलरस पीकर शान्त हो जाती है। ज्योति प्यास पीकर-पाकर और भी बढ़ती है। संत कवियों ने 'ज्योति से ज्योति जलाने' की देशना दी है। बुद्ध ने सीधी मर्मभरी बात कही- 'अप्प दीपो भव '। स्वयं दीप बनो। सच भी है। हमारे चित्त का तमस भीतर के दीप प्रज्जवलन से ही जाएगा। महादेवी के काव्य में भी प्रकाश बेचैनी है। विश्वकवित रवीन्द्रनाथ टैगोर ने सीधा दीप-बिम्ब रचा। गाया है 'सूर्य अस्तांचल की ओर चले। ठिठके। अब प्रकाश का क्या होगा? नन्हें दीप ने अंगड़ाई ली। कहा-आप विश्राम करो। मैं तमस से लड़ूंगा। दूंगा प्रकाशदीप्ति। सुनते आये हैं कि वैदिक देवों को आज की तरह के विशेषाधिकार नहीं थे। वे अपने भक्तों को नियमविरूद्ध सहायता नहीं कर सकते थे। ऋग्वेद में उदात्त घोषणा है कि कर्म आलसी की सहायता देवता भी नहीं करते। वरूण नियमों का पालन कराने वाले देव हैं। हल उन्हें भी जोतना है। हमारे पूर्वज भी सुगंध प्रिय ही थे। वे न्यंबक देव से स्तुति करते हैं और उन्हें सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनम् बताते हैं। प्रकाश और गंध की प्यास अनूठी है। भारतीय संस्कृति में प्रकाशवाची शब्दों की भरमार है। 'भा' का अर्थ है प्रकाश। प्रकाश परम है। हम सबके भीतर वही प्रकाश उगे तो प्रतिभा। उपनिषद् में कहते हैं 'वहां न सूर्य चमकता है, न चन्द्र या तारागण। सब उसी एक प्रकाश से प्रकाशित हैं।' उसका प्रकाश भा। भा की अनुकम्पा से प्रतिभा। आभा और प्रभा भी। हम सब भी भा-रत हैं। भारत यानी प्रकाशरत ज्योर्तिमय राष्ट्रीयता। अर्जुन को श्रीकृष्ण का प्रबोधन मिला। उसे प्रकाश मिला। साधारण प्रकाश नहीं-दिव्य सूर्य सहस्त्राणि। तब हजारों सूर्य एक साथ दीप्तिवान हो गये।

हमारे इन्द्रियबोध की सीमा है। कवि शेली के मन में तारों के फूल बनने की बात यों ही नहीं आई होगी। शापेन हावर भारतीय दर्शन से परिचित थे। यूनानी दर्शन के अनेक निष्कर्ष प्राचीन उपनिषद् वाक्यों से मिलते हैं। भारत के व्यापारी, विद्वान दुनिया घूम रहे थे। उनकी ज्ञानगंध का संस्पर्श यूनानी विद्वानों को भी मिला हो तो आश्चर्य क्या है? हिराक्लिटस् के ऊष्मा सम्बंधी विचार कठोपनिषद् के अग्नि प्रकरण से मिलते हैं। थेल्स के जल सम्बन्धी विचार ऋग्वेद के 'आपः मातरः' की अनुगूंज जान पड़ते हैं। प्रकाश की दीप्ति का गंध रस बनना भौतिक विज्ञान के लिए शोध का विषय है लेकिन ऋग्वेद या उपनिषद् बोध में ऐसी बाते सरल व सहज हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र में इन्द्र को ही सभी रूपों में रूप प्रतिरूप गाया गया है। उपनिषदों में अग्नि या वायु को भी सर्वत्र रूप प्रतिरूप देखा गया है। 'वह एक' ही अनेक रूपों में प्रत्यक्ष है। वही प्रकाश आभा है और वही सुगंधि। वही रस पूर्ण समग्रता है।

एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुंचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था। आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्स ऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयां तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आंखों में भाई को सामने देखकर झलकता था। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं।

भाई दूजः डिजिटल युग में संवेदना को बचाए रखने की जरूरत

डॉ. सत्यवान सौरभ

भाई दूज केवल तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आत्मीयता की वह डोर है, जो समय की तेज रफ्तार के बीच भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। बदलते दौर में जब मुलाकातें वीडियो कॉल तक सिमटती जा रही हैं और तिलक डिजिटल इमोजी का रूप ले रहा है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी पहले जैसी बनी हुई है? भाई दूज हमें याद दिलाती है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदनाओं को जीवित रखने का निरंतर अभ्यास है। यह पर्व हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालने और रिश्तों में अपनापन लौटाने का अवसर देता है। दीपावली के बाद जब उत्सव का उल्लास धीरे-धीरे शांत होने लगता है, तब भाई दूज की सुबह घरों में प्रेम और मिठास का संदेश लेकर आती है। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहन को उपहार देकर जीवनभर उसके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाता है। यह परंपरा देखने में जितनी सरल है, भावनात्मक रूप से उतनी ही गहरी है। तिलक केवल माथे पर लगाया जाने वाला चिह्न नहीं, बल्कि रिश्तों में विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है और रिश्तों की परिभाषाएं भी नए रूप ले रही हैं, तब यह विचार करना जरूरी है कि क्या भाई-बहन के रिश्ते में पहले जैसी सहजता और आत्मीयता बची हुई है? क्या यह रिश्ता अब भी उतना ही भावनात्मक और विश्वासपूर्ण है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी, घर के आँगन और बचपन की स्मृतियों में हुआ करता था?

एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुंचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था। आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्स ऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयां तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आंखों में भाई को सामने देखकर झलकता था। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिक दबाव और बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति ने हमारे पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित किया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा या भाई द्वारा सुरक्षा का वचन देने तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के बीच भावनात्मक संतुलन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक भी है। बदलते समय में इस रिश्ते को केवल संरक्षण और निर्भरता के पुराने दायरे में देखना उचित नहीं होगा। आज बहनें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। यह बदलाव सकारात्मक है। अब बहन को केवल सुरक्षा की आवश्यकता रखने वाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों और आत्मसम्मान वाली स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए। हालांकि आत्मनिर्भरता और समानता के इस दौर में भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट बनाए रखना उतना ही जरूरी है। रिश्तों का महत्व किसी की निर्भरता में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और भावनात्मक सहयोग में होता है। शहरीकरण, रोजगार की तलाश में पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने परिवारों के बीच भौतिक दूरियां बढ़ा दी हैं। पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर पूरा दिन उसके परिवार के साथ बिताता था। आज कई बार मुलाकात कुछ मिनटों तक सीमित रह जाती है या फिर वीडियो कॉल से ही त्योहार की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। निश्चित रूप से तकनीक दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन जब संभव हो, तब व्यक्तिगत मुलाकात और साथ बिताया गया समय रिश्तों को विशेष मजबूती प्रदान करता है।



त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य ही रिश्तों को फिर से जीवंत करना और दूरियों को कम करना है। भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बांधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करें और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे। इसी प्रकार भाइयों को भी बहनों से स्नेह, सहयोग और संवेदनशीलता की अपेक्षा होती है। यही रिश्ते का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और आत्मीयता का सुंदर संतुलन दिखाई देता है। भाई दूज को अब केवल बहन की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, समान अधिकार और संवाद के पर्व के रूप में भी समझने की आवश्यकता है। भाई-बहन का रिश्ता बचपन तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवनभर साथ चलने वाला भावनात्मक संबंध है। जीवन के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज कई बार रिश्तों को भी उपयोगिता, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत लाभ की कसौटी पर परखने लगा है। ऐसे समय में भाई दूज हमें यह संदेश देती है कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक संवाद के साधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आत्मीयता के लिए संवेदनशील व्यवहार, समय, विश्वास और अपनापन आवश्यक हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें आधुनिक तकनीक या बदलती जीवनशैली का विरोध करना चाहिए। समय के साथ त्योहारों के स्वरूप में बदलाव स्वाभाविक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इस बदलाव के बीच भावनाओं का मूल आधार सुरक्षित रहे। भाई दूज को नया अर्थ देते हुए भाई और बहन दोनों को एक-दूसरे की स्वतंत्रता, संघर्षों, आकांक्षाओं और निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता और सम्मान चाहती हैं। वहीं भाइयों को भी यह समझना चाहिए कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, कोई विद्रोह नहीं। यह पारस्परिक समझ रिश्ते को अधिक परिपक्व और मजबूत बना सकती है। भाई दूज एक ऐसे समाज की कल्पना को भी साकार करने का अवसर है, जहाँ स्त्री और पुरुष के बीच संबंध संरक्षण और निर्भरता के बजाय सहयोग, सम्मान और संवेदना पर आधारित हों। त्योहारों की भी अपनी एक विशेष भाषा होती है। वे हमें उन भावनाओं और स्मृतियों से जोड़ते हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की भागदौड़ में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा प्रेम, स्मृति, विश्वास और कृतज्ञता की भाषा है। यह पर्व हमें बचपन के उन दिनों की याद दिलाता है, जब बिना किसी स्वार्थ के हम एक-दूसरे की परवाह करते थे और रिश्तों में लेन-देन की भावना नहीं होती थी। इस अवसर पर हमें स्वयं से एक प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हम आज भी अपने भाई-बहनों के प्रति उतने ही आत्मीय हैं, जितने बचपन में हुआ करते थे? यदि उत्तर हां है, तो समझिए कि त्योहार की आत्मा आज भी जीवित है। लेकिन यदि इस आत्मीयता में कमी आई है, तो इसे फिर से जीवंत करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। इसके लिए किसी बड़े आयोजन या महंगे उपहार की आवश्यकता नहीं है। बहन के घर जाकर उसका हाल पूछना, भाई को गले लगाना, बचपन की यादें साझा करना और कठिन समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना ही पर्याप्त है। भाई दूज का वास्तविक अर्थ यही है कि समय की धूल रिश्तों पर जम सकती है, लेकिन प्रेम और अपनापन कभी फीका नहीं पड़ना चाहिए। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और संवेदनशीलता आवश्यक है। प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस उसे समय-समय पर स्नेह और विश्वास से संवारने की जरूरत होती है। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल रिश्तों की ओर बढ़ रही है, तब ऐसे त्योहार हमें मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक मूल्यों से जोड़े रखते हैं। वे बताते हैं कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन, संपत्ति या भौतिक सुविधाएं नहीं, बल्कि अपने लोग और उनके साथ जुड़ी भावनाएं हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, बल्कि मन पर भी लगना चाहिए, जहां अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की भावनाएं हमेशा बनी रहें।

विचार

दिवाली को ईद बताने की जरूरत क्यों पड़ी खड़गे को?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

किसी पर्व की शुभकामना देना सद्भाव है, मगर एक सभ्यता के अपने हजारों वर्षों पुराने धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव को किसी दूसरे मजहब के त्योहार की उपमा देना क्या वास्तव में सद्भाव की अभिव्यक्ति है? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दीपावली पर कहा, ' 'दिवाली खुशियों की ईद है, कई दिनों तक चलने वाली ईद है।'' उनके इस कथन ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा कर दिया है। आखिर दीपावली को दीपावली कहने और उसकी अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान के साथ शुभकामनाएं देने में क्या कठिनाई थी? प्रभु श्रीराम की अयोध्या वापसी, मां लक्ष्मी का पूजन, भगवान श्रीगणेश की आराधना और घर-घर दीप प्रज्वलित करने की परंपरा से जुड़े इस पर्व को ईद के नाम से परिभाषित करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या कांग्रेस को ये समझने की आवश्यकता नहीं है कि यह महज शब्दों का चयन नहीं, भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता और राजनीतिक सोच से जुड़ा प्रश्न है। क्या खड़गे यह मानते हैं कि दीपावली की महत्ता बताने के लिए ईद का संदर्भ आवश्यक है? यदि ऐसा नहीं है तो फिर इस तुलना का औचित्य क्या है? वस्तुतः यह सर्वविदित है कि दीपावली सनातन धर्म की धार्मिक, पौराणिक और सांस्कृतिक स्मृतियों का अभिन्न हिस्सा है। रामायण की परंपरा के अनुसार, चौदह वर्ष का वनवास पूरा करने और रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यह प्रसंग भारतीय जनमानस में प्रकाश, धर्म, मर्यादा और विजय का प्रतीक बन गया। कार्तिक अमावस्या को दीप प्रज्वलित करना अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है। इस दिन घर-घर मां लक्ष्मी और भगवान श्रीगणेश की पूजा होती है। विभिन्न क्षेत्रों में मां काली, भगवान विष्णु, भगवान शिव और अन्य देवी-देवताओं की आराधना की परंपराएं भी हैं। धनतेरस से भाई दूज तक चलने वाला यह उत्सव भारतीय समाज की व्यापक सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है।

अब इस्लाम की धार्मिक मान्यताओं को समझिए। इस्लाम का मूल सिद्धांत तौहीद है। इसमें अल्लाह को एकमात्र उपास्य माना गया है। अल्लाह के साथ किसी अन्य को साझीदार ठहराना शिर्क कहलाता है। कुरान की सूरह अन-निसा (4:48) में शिर्क को अत्यंत गंभीर पाप बताया गया है। इसी धार्मिक अवधारणा के अंतर्गत मूर्ति-पूजा और बुतपरस्ती को इस्लाम के विरुद्ध माना जाता है। पारंपरिक इस्लामिक ग्रंथों में इसे कुफ्र से भी जोड़ा गया है और शिर्क के संबंध में आखिरत तथा जन्नत को लेकर कठोर धार्मिक चेतावनियां दी गई हैं। अब दीपावली के धार्मिक स्वरूप को इस संदर्भ में देखिए। जिस दिन करोड़ों सनातनी परिवार अपने घरों में मां लक्ष्मी और भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं स्थापित करके पूजा-अर्चना करते हैं, उसी प्रकार की प्रतिमा-उपासना को इस्लाम का धार्मिक सिद्धांत स्वीकार नहीं करता। सनातन परंपरा में प्रतिमा और विग्रह के माध्यम से आराधना श्रद्धा, भक्ति और उपासना का महत्वपूर्ण मार्ग है। दूसरी ओर इस्लाम में ऐसी उपासना शिर्क के निषेध के दायरे में आती है। यह दोनों धार्मिक परंपराओं के बीच कोई सतही अंतर नहीं, उनके ईश्वर संबंधी दर्शन और उपासना पद्धति का बुनियादी अंतर है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जिस धार्मिक परंपरा की मूर्ति-पूजा को इस्लाम स्वीकार नहीं करता, उसके प्रमुख पर्व को ईद की संज्ञा देकर किस प्रकार दोनों की धार्मिक आत्मा को समान बताया जा सकता है? यहां किसी धर्म को श्रेष्ठ या निम्न सिद्ध करने का प्रश्न नहीं है। प्रश्न धार्मिक मान्यताओं की वास्तविकता को स्वीकार करने का है। ईद-उल-फितर रमजान के रोजे पूरे होने के बाद मनाई जाती है। ईद-उल-अजहा का संबंध हजरत इब्राहीम और उनके पुत्र इस्माइल की कुर्बानी से जुड़ी इस्लामी मान्यता से है। इसमें अल्लाह के प्रति समर्पण, त्याग और आज्ञापालन का भाव केंद्रीय है। नमाज, जकात, सदका और पारिवारिक मेल-मिलाप इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। दीपावली की धार्मिक पृष्ठभूमि, पूजा-पद्धति, प्रतीक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति इससे बिल्कुल अलग हैं। फिर दोनों को एक ही धार्मिक-सांस्कृतिक खांचे में रखने की कोशिश क्यों? दीपावली का सामाजिक और आर्थिक विस्तार भी अत्यंत व्यापक है। इस अवसर पर सोने-चांदी, आभूषण, कपड़े, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मिठाइयों और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी होती है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों, कारीगरों, परिवहन क्षेत्र और असंगठित श्रमिकों तक को रोजगार मिलता है। बाजारों में आर्थिक गतिविधियां तेज होती हैं। मिठाइयों का आदान-प्रदान, कर्मचारियों को बोनस, उपहार और जरूरतमंदों की सहायता इस उत्सव को सामाजिक सहभागिता का व्यापक अवसर बनाते हैं। इसी संदर्भ में जकात की धार्मिक व्यवस्था और भारतीय दान परंपरा के अंतर को भी समझना चाहिए। कुरान की सूरह अत-तौबा (9:60) में जकात के पात्रों की आठ श्रेणियों का उल्लेख है।

एक नजर

महादलित टोलों में डीएम एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने दीपोत्सव की खुशियां की साझा



अररिया,एजेंसी। दीपावली पर जिला प्रशासन की ओर से सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं समानता की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न महादलित टोलों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारी बीती रात विभिन्न महादलित बस्तियों में पहुंचे और स्थानीय समुदाय एवं परिवारों के साथ दीपावली का पर्व मनाकर खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर डीएम विनोद दूहन ने जयप्रकाश नगर पहुंचकर स्थानीय परिवारों के साथ दीप जलाकर दीपावली मनाई। उन्होंने इस क्रम में स्थानीय लोगों से आत्मीय संवाद भी किया।वहीं एसपी जितेन्द्र कुमार,डीडीसी रोजी कुमारी सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न महादलित टोलों में पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। साथ ही पदाधिकारियों ने स्थानीय परिवारों के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित किए और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लोगों के बीच अपनत्व एवं आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के बीच अपनत्व, सहभागिता और समानता की भावना को मजबूत करना तथा यह संदेश देना था कि पर्व-त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक उसका उल्लास पहुंचे।

दीपावली की रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन युवकों की मौत, दो घायल



सीवान,एजेंसी। जिला मुख्यालय से सटे महादेवा थाना क्षेत्र के झुनापुर गांव के समीप रविवार की देर रात दीपावली की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गयीं, जब दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी। इस भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गये। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गयी। दीपावली की रात हुए इस हादसे से तीन परिवारों में कोहराम मच गया। मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरहनी गांव निवासी गोलू कुमार, रसूलपुर गांव निवासी मुकेश चौहान और गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के सलाह गांव निवासी शनिष कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में रसूलपुर निवासी अभिषेक और गोलू शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, शनिष कुमार और गोलू कुमार एक बाइक पर सवार होकर गोलू के घर जा रहे थे। वहीं, दूसरी बाइक पर मुकेश चौहान, अभिषेक और गोलू सवार होकर सीवान की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान झुनापुर गांव के समीप दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों की जान चली गयी, जबकि दो अन्य घायल हो गये। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना महादेवा थाने की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों एवं मृतकों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को जब्त कर थाने ले गयी। इधर, पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी है। इस संबंध में महादेवा थानाध्यक्ष विनीत कुमार विनायक ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

बिहार के भोजपुर में स्कार्पियो सवार ने करीब 10 को कुचला, 02 की मौत

भोजपुर,एजेंसी। बिहार में भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के रामडिहरा गांव में बीती रात करीब 07 लोगों को स्कॉर्पियो से कुचल दिया गया है। इस घटना में 2 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के रामडिहरा गांव में रविवार की रात दीपावली के दौरान स्कॉर्पियो की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतकों मे रामडिहरा गांव के वार्ड नंबर 17 निवासी रामनरेश यादव के 45 वर्षीय पुत्र कमलेश यादव और 55 वर्षीय पुत्र दिनेश यादव है। दोनों पेशे से गाड़ी व्यवसायी थे। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्वजन ने गाना बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद स्कॉर्पियो से लोगों को जानबूझकर कुचलने और घसीटने का आरोप लगाया है। बिहिया थानाध्यक्ष विपिन बिहारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में दुर्घटना का मामला सामने आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इधर, घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में आरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। मृतक के बेटे रोहित ने बताया कि गांव के सूर्य मंदिर पर छठ का गाना बज रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो पर सवार गांव का एक व्यक्ति वहां पहुंचा और उनके भाई मुन्ना यादव से गाना बंद करने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। इसके बाद मुन्ना यादव ने फोन कर परिवार के लोगों को घर से बुलाया। इस बीच स्कॉर्पियो सवार वहां से चला गया। कुछ देर बाद जब सभी लोग इकट्ठा होकर बातचीत कर रहे थे, तभी वह स्कॉर्पियो लेकर दोबारा वहां पहुंचा और तेज रफ्तार में लोगों को रौंद दिया।

कृषि क्षेत्र को मिलेगी डाक विभाग की व्यापक नेटवर्किंग की ताकतः विजय कुमार सिन्हा

पटना,एजेंसी। बिहार में कृषि उपादानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कृषि विभाग और डाक विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। कृषि विभाग, बिहार सरकार तथा डाक विभाग, केंद्र सरकार के बिहार परिमंडल के बीच सोमवार को कृषि उपादानों के नमूनों को सुरक्षित एवं समयबद्ध तरीके से जांच प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस व्यवस्था के तहत अब उर्वरक, कीटनाशी और बीज के नमूने डाक विभाग के माध्यम से जांच के लिए भेजे जा सकेंगे। इससे नमूनों की जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी और निजी कूरियर पर निर्भरता कम होगी। इस अवसर पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस समझौते से कृषि क्षेत्र को डाक विभाग के व्यापक नेटवर्क और सेवाओं की ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि डाक विभाग का सहयोग केवल कृषि उपादानों के नमूनों को प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राज्य के किसानों की उन्नति और आर्थिक समृद्धि में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए।

मंत्री ने डाक विभाग के माध्यम से किसानों को बीज, कीटनाशक, जैविक उर्वरक सहित अन्य आवश्यक कृषि उत्पादों की होम डिलीवरी की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में पहल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक सामग्री आसानी से उपलब्ध कराने के लिए डाक विभाग के नेटवर्क का उपयोग किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा। विजय कुमार सिन्हा ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती को



बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि किसानों द्वारा उत्पादित जैविक और प्राकृतिक कृषि उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने में भी डाक विभाग सहयोग करे। इन उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके विपणन और निर्यात को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी काम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को केवल कृषि उत्पादन तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें बाजार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर उपलब्ध कराना भी है। इसके लिए कृषि विभाग और डाक विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। कृषि मंत्री ने कहा कि यह समझौता कृषि उपादानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, नकली और घटिया उत्पादों पर अंकुश लगाने तथा कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं प्रभावी सेवा व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत कीटनाशक, बीज और उर्वरक के नमूनों को पूरी सुरक्षा एवं गोपनीयता के साथ जांच प्रयोगशालाओं तक भेजा जा सकेगा। इस अवसर पर निदेशक डाक सेवाएं प्रियंका जैन ने कहा कि डाक विभाग किसानों के हित में अपनी सेवाओं और उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में विभागीय नेटवर्क के बेहतर उपयोग और किसानों तक सेवाएं पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

सुरक्षित बचपन अभियान का दिखा सकारात्मक असर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की मदद से नाबालिग बालिका का रेस्क्यू

सुपौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से संचालित 'सुरक्षित बचपन अभियान' का सकारात्मक असर सामने आया है। अभियान के तहत बच्चों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किए जाने के बाद एक नाबालिग बालिका ने हिम्मत दिखाते हुए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क किया और अपने साथ हुई कथित यौन शोषण की घटना की जानकारी दी। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता और स्थानीय पुलिस के सहयोग से बालिका को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, बालिका के पिता का पिछले कई वर्षों से कोई पता-ठिकाना नहीं है।

वह अपनी मां के साथ दूर के रिश्तेदारों के यहां रह रही थी। इसी दौरान रिश्तेदार के एक बच्चे द्वारा कथित तौर पर उसके साथ यौन शोषण किए जाने की बात सामने आई। बालिका ने अभियान के दौरान मिली जागरूकता से प्रेरित होकर अपनी पीड़ा साझा करने और सहायता मांगने का साहस दिखाया। चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना मिलते ही कर्मियों ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से त्वरित कार्रवाई की और बालिका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मामले में संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस की ओर से मामले में विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल ने भी संवेदनशीलता दिखाते हुए बालिका को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई। प्राधिकार की ओर से उसे निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की गई है। इसके साथ ही बालिका की सुरक्षा, संरक्षण, पुनर्वास और अन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों के समन्वय से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का मानना है कि बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना बाल शोषण एवं अपराधों की रोकथाम का महत्वपूर्ण माध्यम है। 'सुरक्षित बचपन अभियान' का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न अथवा दुर्व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए जागरूक और सक्षम बनाना है। प्राधिकार ने आमलोगों, विशेषकर अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न को नजरअंदाज न करें। ऐसी परिस्थिति में तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 अथवा पुलिस से संपर्क करें। पीड़ित बच्चों को कानूनी सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार सदैव तत्पर है।

छठ महापर्व : सुरक्षा व विधि-व्यवस्था को लेकर कटिहार प्रशासन मुस्तैद, डीएम और एसपी ने संयुक्त बैठक में दिए कड़े निर्देश

कटिहार। आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को एनआईसी सभागार में एक उच्चस्तरीय संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में पर्व की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की बिंदुवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने निर्धारित स्थलों पर स-समय उपस्थित रहकर पूरी मुस्तैदी से दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

बैठक में छठ घाटों पर सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रमुख घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग की जाए तथा खतरनाक एवं गहरे जल वाले स्थलों को लाल निशान से चिह्नित कर सुरक्षा घेरा बनाया जाए। गहरे पानी में दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाएगी। इसके साथ ही व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर पर्याप्त रोशनी, शुद्ध पेयजल, सतत साफ-सफाई, अस्थायी शौचालय, चेंजिंग रूम और प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। श्रद्धालुओं के आवागमन को निर्बाध रखने के लिए नगर निकायों एवं संबंधित विभागों को घाटों तक पहुंचने वाले सभी संपर्क मार्गों की मरम्मत, सफाई और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने का आदेश दिया गया। संभावित भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुनियोजित यातायात और वाहन पार्किंग की व्यवस्था लागू रहेगी। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को डॉक्टरों की टीम, जरूरी दवाएं और एंबुलेंस 24 घंटे अलर्ट रखने तथा अग्निशमन विभाग को दमकल गाड़ियों सहित सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। बिजली विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा सभी जर्जर व खुले तारों की तत्काल जांच कर उन्हें ठीक करने का निर्देश मिला है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, जम्मू-कश्मीर का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार - 15 वर्षीय नेपाली बालिका का रेस्क्यू

सुपौल,एजेंसी। बिहार में सुपौल जिले के भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा में तैनात 45वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल वीरपुर के जवानों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वांछित फरार अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके साथ भारत में प्रवेश कर रही 15 वर्षीय नेपाली नाबालिग बालिका को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। प्रारंभिक जांच में मामला बाल विवाह और संभावित मानव तस्करी सहित अन्य गंभीर कानूनी पहलुओं से जुड़ा पाया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मुजफ्फर अहमद बेग (34), निवासी जिला बारामूला, जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। वह श्रीनगर के थाना बटमालू में दर्ज प्राथमिकी संख्या 133/2026 में वांछित था। उसके भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से आवागमन की आशंका को देखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई तस्वीर एवं पहचान संबंधी जानकारी 45वीं वाहिनी के विभिन्न चेक पोस्टों पर भेजी गई थी। इसी क्रम में 8 नवंबर 2026 को करीब 3:40 बजे भीमनगर चेक पोस्ट पर नियमित जांच एवं डाटा एंट्री के दौरान नेपाल की ओर से भारत में प्रवेश कर रहे एक व्यक्ति और उसके साथ मौजूद नाबालिग बालिका पर जवानों की नजर पड़ी। जांच के दौरान व्यक्ति का चेहरा और पहचान संबंधी विवरण जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा प्रसारित वांछित अभियुक्त के विवरण से मेल खा गया। इसके बाद चेक पोस्ट कमांडर सहायक उपनिरीक्षक केदार चौहान ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को रोक लिया और



इसकी सूचना समवाय प्रभारी सहायक कमांडेंट राहुल कुमार तथा 'सर्वो प्रयास संस्था' के सदस्य संजीव कुमार मेहता को दी।

संयुक्त टीम ने नियमानुसार पूछताछ एवं जांच की। पूछताछ में मुजफ्फर अहमद बेग ने बताया कि उसने 27 अक्टूबर 2026 को नेपाल के सप्तरी जिले की रहने वाली 15 वर्षीय बालिका से विवाह किया था। इसके बाद 8 नवंबर को वह बालिका को अपने साथ लेकर नेपाल से भारत में प्रवेश कर रहा था। बालिका की उम्र महज 15 वर्ष होने की जानकारी मिलने पर मानव तस्करी रोधी इकाई की महिला जवान के संरक्षण में उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। कार्रवाई के दौरान अभियुक्त के पास से एक आधार कार्ड और नेपाली मुद्रा के 10,500 रुपये बरामद किए गए। नाबालिग बालिका के पास से नेपाली जन्म प्रमाण पत्र मिला, जिससे उसकी उम्र की पुष्टि हुई। प्रथम दृष्टया मामला नाबालिग से जुड़े बाल विवाह और संभावित मानव तस्करी सहित अन्य गंभीर वैधानिक पहलुओं से संबंधित पाए जाने पर 8 नवंबर को शाम करीब 4:20 बजे अभियुक्त को विधिवत हिरासत में लिया गया। इसके बाद सहायक कमांडेंट राहुल कुमार ने जम्मू-कश्मीर के थाना बटमालू के थानाध्यक्ष से संपर्क स्थापित कर मामले की जानकारी साझा की। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अभियुक्त, रेस्क्यू की गई नाबालिग बालिका और बरामद सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भीमनगर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। 45वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, वीरपुर ने स्पष्ट किया है कि भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध गतिविधियों की रोकथाम, मानव तस्करी पर अंकुश लगाने तथा महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बल के जवान लगातार सतर्क हैं। सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए इस तरह की प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दीपावली मे रातभर फायर बिग्रेड की टीम अलग अलग स्थानों पर हुए आगजनी को काबू पाने में लगी रही

अररिया,एजेंसी। दीपों के पर्व दीपोत्सव पर हुए आतिशबाजी और पटाखे की चिंगारी के कारण जिले के कई हिस्सों में आगजनी की घटना घटित हुई। जिसमें करोड़ों रूपये मूल्य की सम्पत्ति का नुकसान हुआ। फायर बिग्रेड की गाड़ी रात भर शहर के अलग अलग हिस्सों में लगी आग पर काबू पाने की मशक्कत में जुड़े रहे। आगजनी पर काबू पाने के लिए फायर बिग्रेड के साथ स्थानीय लोगों ने भी अपनी सक्रियता दिखाई।

जोगबनी में धर्मशाला चौक के पास एक प्रतिष्ठान में आगजनी की घटना हुई,जहां स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर बिग्रेड के साथ आग पर काबू पाया। वहीं फारबिसगंज के प्रसिद्ध कारोबारी मूलचन्द गोलछा के घर और गोदाम परिसर में रखे लकड़ी के ढेर में पटाखे की चिंगारी से आगजनी हुई,जिसे फायर बिग्रेड की दो गाड़ियों ने स्थानीय लोगों के मदद से आग पर काबू पाया।शहर की अति व्यवस्त इलाका और किराना मंडी के रूप में जाना जाने वाला माणिक चन्द रोड छुआपट्टी में उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के बगल में हुए आगजनी की घटना हुई,जिस पर भी स्थानीय लोगों के मदद से फायर बिग्रेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। फारबिसगंज मार्केटिंग यार्ड के पास देर रात दुकानों में लगी आग पर काबू पाने के लिए फायर बिग्रेड के साथ अनुमंडल प्रशासन को काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सुल्तान पोखर बढ़ई पट्टी में भी आगजनी की घटना



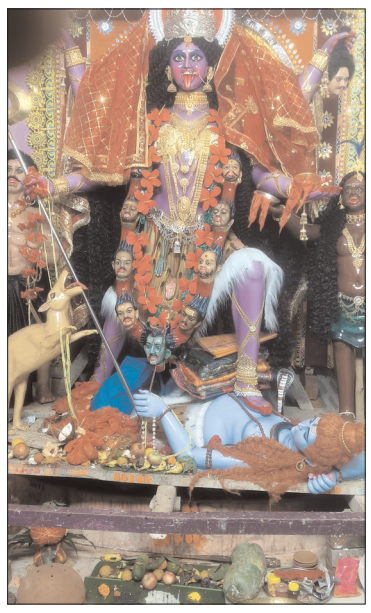
में करीबन छह दुकानें जलकर राख हो गई। फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फायर बिग्रेड की कई गाड़ियों का उपयोग आग पर काबू पाने के लिए किया गया। मटियारी और सुल्तान पोखर के पास भी पटाखे और आतिशबाजी के कारण आगजनी की घटना हुई,जिस पर स्थानीय लोगों के मदद अग्निशमन विभाग की टीम ने काबू पाया।

आगजनी की घटना की जानकारी मिलने के बाद फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी, एसडीपीओ राजकिशोर कुमार, थानाध्यक्ष मनोज कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार प्रसाद समेत अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचकर आग पर काबू करवाने की मशक्कत करते देखे गए। मौके पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार प्रसाद ने कहा कि अधिकांश जगहों पर आगजनी की घटना पटाखे और आतिशबाजी के कारण हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जीवन का जो उल्लास है, उसे बचाने के रास्ते पर काम करे और पर्व को संयम, शांति और सौहार्द के साथ सावधानीपूर्वक मनाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को समझना होगा कि जीवन प्रकृति का दिया अमूल्य उपहार है,उसे बचाने की कवायद करनी चाहिए।आगजनी के बाद प्रशासन और फायर बिग्रेड की टीम तो आग पर काबू पाती ही है,लेकिन हुआ नुकसान की भरपाई नहीं हो पाता है। वहीं मौके पर मौजूद अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी ने कहा कि जहां जहां भी आगजनी की जानकारी मिली प्रशासन ने अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आग पर काबू पाने का काम किया है। आगजनी में लाखों करोड़ों का नुकसान हुआ है। जबकि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजकिशोर कुमार ने कहा कि दीपावली को लेकर जिला प्रशासन किसी भी तरह की अनहोनी की घटना से निबटने को लेकर पूरी तरह सक्रिय थी और बकायदा अनुमंडल और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था,जगा आगजनी की सूचना पर तुरंत ही अग्निशमन विभाग की टीम मूव करते हुए आग पर काबू पाने में लगे रहे।

भक्तिमय हुआ रेशमी शहर : 81 स्थानों पर विराजीं मां काली, ऐतिहासिक मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भागलपुर। कार्तिक अमावस्या के पावन अवसर पर रेशमी शहर भागलपुर पूरी तरह से मां काली की आराधना और भक्ति के रंग में सराबोर हो गया है। इस वर्ष शहर के 81 प्रमुख स्थानों पर मां काली की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक पंडालों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सोमवार सुबह से ही मंदिरों के पट खुलते ही दर्शन और खोइंछा भरने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। परबत्ती स्थित मां बुढ़िया काली मंदिर यहां करीब 200 वर्षों से मां काली की पूजा की जा रही है। परंपरा के अनुसार, विसर्जन शोभायात्रा में परबत्ती की मां बुढ़िया काली की प्रतिमा सबसे आगे चलती है। यहां मेले के साथ-साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। बूढ़ानाथ स्थित मां बम काली मंदिर का इतिहास महान तांत्रिक साधक बामा खेपा से जुड़ा है, जहां 200 वर्षों से अधिक समय से पूजा होती आ रही है।

अनूठी परंपरा के तहत, विसर्जन शोभायात्रा में मां बम काली की प्रतिमा सबसे पीछे चलती है और खलीफाबाग चौक पर बुढ़िया काली व बम काली का ऐतिहासिक मिलन होता है। उर्दू बाजार की मशान काली एवं इशाकचक की बुढ़िया काली के प्रमुख केंद्रों पर तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से निशा पूजा संपन्न हुई, जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने मन्नतें मांगीं। वहीं कालीबाड़ी मंदिर में बंगाली परंपरा के अनुसार खिचड़ी, खीर और फलों का विशेष भोग अर्पित किया गया, वहीं मंदरोजा में 101 किलो खीर व 25 किलो हलुआ के भोग के साथ कन्या पूजन आकर्षण का केंद्र रहा।



अन्य प्रमुख पूजा स्थलों में मुंदीचक के स्वर्णकार काली मंदिर, दक्षिणी क्षेत्र के मां मुढ़िया काली मंदिर (जहां महाकामाख्या मंदिर की तर्ज पर 51 फीट ऊंचा पंडाल बना है), कोयला घाट, खिरनी घाट और बड़ी खंजरपुर में भी भक्तों का तांता लगा हुआ है। काली पूजा केंद्रीय महासमिति के अनुसार, मंगलवार शाम से भव्य विसर्जन शोभायात्रा शुरू होगी, जिसके लिए स्टेशन चौक पर मुख्य नियंत्रण शिविर लगाया गया है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग पूरी तरह अलर्ट हैं; सुरक्षा के मद्देनजर शहर को चार जोन में बांटा गया है और 17 संवेदनशील स्थानों पर दमकल की गाड़ियां व पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

टीपीएल 36 जूनियर खिलाड़ियों को देगी 75-75 हजार रुपये की छात्रवृत्ति, दो को मिलेगा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 का मौका

मुंबई,एजेंसी। किआ टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) ने भारतीय टेनिस की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी 'रेस टू गोल्ड' (आरटीजी) पहल के तहत 36 जूनियर खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। छह क्षेत्रों से चुने गए इन खिलाड़ियों को 75-75 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अलावा अंडर-14 वर्ग के एक लड़के और एक लड़की को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 देखने के लिए मेलबर्न जाने का अवसर मिलेगा। टीपीएल ने सोमवार को 2026 रेस टू गोल्ड मास्टर्स प्रतियोगिता की तारीखों की घोषणा की। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और उत्तर क्षेत्र से 36 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को इस पहल के तहत चुना जाएगा। पहली बार किआ इंडिया इस पहल से जुड़ा है और भारतीय टेनिस को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहा है। रेस टू गोल्ड मास्टर्स प्रतियोगिता नवंबर में तीन सप्ताहांत के दौरान आयोजित होगी। इसमें अंडर-10, अंडर-12 और अंडर-14 आयु वर्ग के लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे।



तीन चरणों में होंगे मुकाबले

किआ टीपीएल नॉर्थ जोन मास्टर्स: 14-15 नवंबर, दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन (डीएलटीए), दिल्ली।

किआ टीपीएल गुजरात मास्टर्स: 21-22 नवंबर, एसआरटी10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, अहमदाबाद।

किआ टीपीएल महाराष्ट्र मास्टर्स: 28-29 नवंबर, गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब, मुंबई।

छात्रवृत्ति के तहत खिलाड़ियों को टेनिस उपकरण, उनकी जरूरत के अनुसार विशेष परिधान, पेशेवर मार्गदर्शन और भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ियों लिएंडर पेस तथा रोहन बोपन्ना के साथ-साथ शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से जुड़ने के अवसर भी दिए जाएंगे। 36 छात्रवृत्ति विजेताओं को इस दिसंबर हैदराबाद में आयोजित होने वाले किआ टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के दौरान सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह जियोहॉटस्टार पर होने वाले सीधे प्रसारण का भी हिस्सा होगा। टीपीएल के अनुसार, रेस टू गोल्ड छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत से अब तक 80 युवा खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल चुका है। इस पहल के अलावा टीपीएल और उससे जुड़ी टीमों ने आठ अलग-अलग राज्यों में आठ नि:शुल्क टेनिस शिविर भी आयोजित किए। इन शिविरों में बच्चों और उनके अभिभावकों को पोषण, फिटनेस और मानसिक प्रशिक्षण के महत्व की जानकारी दी गई, ताकि देश में टेनिस की अगली पीढ़ी को बेहतर आधार मिल सके।

रेस टू गोल्ड कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाते हुए किआ इंडिया और टीपीएल ने 'किआ टीपीएल रोड टू द ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027' पहल भी शुरू की है। इसके तहत छह क्षेत्रों से छात्रवृत्ति हासिल करने वाले अंडर-14 वर्ग के छह लड़के और छह लड़कियां 29 नवंबर को मुंबई में होने वाली अंतिम राउंड रॉबिन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एक लड़के और एक लड़की को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 के लिए मेलबर्न जाने का अवसर मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों के साथ उनके एक-एक अभिभावक का यात्रा और अन्य खर्च किआ इंडिया वहन करेगा। इस तरह युवा खिलाड़ियों को दुनिया के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंटों में शामिल एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को करीब से देखने और अंतरराष्ट्रीय टेनिस का अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा। टीपीएल ऐप के माध्यम से संचालित रेस टू गोल्ड पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर टेनिस को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को इस खेल में आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधन तथा अवसर उपलब्ध कराना है। टेनिस प्रीमियर लीग के सह-संस्थापक कुनाल ठक्कर ने कहा, 'रेस टू गोल्ड भारत में जमीनी स्तर पर टेनिस के मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 36 छात्रवृत्तियों और ऑस्ट्रेलियन ओपन तक पहुंचने के अवसर के माध्यम से हम युवा प्रतिभाओं को बड़े सपने देखने का मौका दे रहे हैं। हमें खुशी है कि किआ इंडिया इस सोच का समर्थन कर रहा है और इसे आगे बढ़ाने में हमारी मदद कर रहा है।

टीपीएल के सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा, 'हमारा ध्यान खिलाड़ियों को कोर्ट के बाहर भी सहयोग देने पर है। रेस टू गोल्ड छात्रवृत्ति और ऑस्ट्रेलियन ओपन जाने का अवसर महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए जरूरी संसाधन, अनुभव और प्रेरणा प्रदान करेगा। किआ इंडिया का सहयोग हमें जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभाव पैदा करने में मदद करेगा। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल सूद ने कहा, 'किआ में हमारा विश्वास ऐसे अवसर तैयार करने में है, जो प्रतिभाशाली युवाओं को प्रेरित करें। टीपीएल के साथ हमारा जुड़ाव इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेस टू गोल्ड युवा खिलाड़ियों को अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर रहा है। रोड टू द ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 इस पहल को एक कदम और आगे ले जाता है। इसके माध्यम से दो होनहार खिलाड़ियों को दुनिया के प्रमुख टेनिस टूर्नामेंटों में से एक का अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। हमें इस यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद खुशी है।'

एक नजर

भारत ए-न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे अनौपचारिक टेस्ट का तीसरा दिन बारिश की भेंट चढ़ा

लिंकन,एजेंसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे और अंतिम बहुदिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल सोमवार को लगातार बारिश के कारण नहीं हो सका। लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में पूरे दिन बारिश जारी रहने के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने भारत ए के पहली पारी के 464 रन के जवाब में दो विकेट पर 36 रन बना लिए थे। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 464 रन बनाकर घोषित की थी। बारिश के कारण भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा को भी अभ्यास मैच में गेंदबाजी का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। दोनों खिलाड़ी ब्रेक के बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी में जुटे हैं। बुमराह ने दूसरे दिन शाम को छह ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने न्यूजीलैंड ए की पहली पारी में गिरे दोनों विकेट अपने नाम किए थे। इससे पहले भारत ए की पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दौरे का लगातार दूसरा शतक लगाते हुए 102 रन बनाए। उनके अलावा साई सुदर्शन ने 88, ध्रुव जुरेल ने 71 और तिलक वर्मा ने नाबाद 81 रन की पारी खेली। वाशिंगटन सुंदर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमों के बीच खेली गई अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम घोषित, आयुष बडोनी होंगे कप्तान

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय पुरुष सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। आयुष बडोनी को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि प्रियांश आर्य उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। घरेलू टी-20 प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवंबर से इंदौर में होगा। डीडीसीए की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, टीम का चयन 6 नवंबर को डीडीसीए परिसर में आयोजित सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में किया गया। बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष के. भास्कर पिल्लई, चयनकर्ता मनु नायर और प्रवीण गुप्ता, मुख्य कोच विजय दहिया, क्रिकेट सलाहकार समिति के अध्यक्ष सरनदीप सिंह तथा डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा मौजूद रहे। दिल्ली की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उभरती प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। टीम का लक्ष्य आगामी घरेलू टी-20 प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।



दिल्ली की 16 सदस्यीय टीम: आयुष बडोनी (कप्तान), प्रियांश आर्य (उपकप्तान), सार्थक रंजन, यश ढुल, आयुष दोसजा, तेजस्वी (विकेटकीपर), अनुज रावत (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मयंक रावत, केशव डबास, सुयश शर्मा, दिग्वेश, ईशांत शर्मा, हर्षित राणा, मयंक यादव और सिमरजीत सिंह।

न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय हॉकी टीम की कमान संभालेंगे संजय, दोनों देशों के खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने पर होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य संजय को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह दौरा 15 से 23 नवंबर तक ऑकलैंड में आयोजित होगा। इस दौरान भारतीय टीम मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मुकाबले खेलेगी। यह दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इसका आधिकारिक नाम '2026 इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी इवेंट-खेल साझेदारी के माध्यम से भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकता के 100 वर्ष' रखा गया है। दोनों देशों के बीच खेल संबंधों की शुरुआत वर्ष 1926 से मानी जाती है। उस समय महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की मौजूदगी वाली भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली किसी भी खेल में भारत की पहली टीम बनी थी। आगामी आयोजन इसी ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के साथ दोनों देशों के पुराने खेल संबंधों को और मजबूत करने का अवसर होगा।

भारतीय टीम की कमान संभालने वाले संजय के सामने युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी होगी। इस दौरे को उभरते खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही कोचिंग स्टाफ को भी नई प्रतिभाओं का आकलन करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'इस टीम में कुछ उभरते हुए अंडर-21 खिलाड़ियों और मौजूदा इंडिया ए टीम के मुख्य खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। तीन मैचों का यह दौरा सही समय पर हो रहा है। हमें घरेलू मैदान पर मजबूत न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ तीन मुकाबलों में अपनी टीम की क्षमता को परखने का अवसर मिलेगा।' उन्होंने उम्मीद जताई कि चुने गए खिलाड़ी इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे, अपनी प्रतिभा दिखाएंगे और भविष्य में राष्ट्रीय टीम के लिए चयन के अपने दावे को मजबूत करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'न्यूजीलैंड का यह दौरा दोनों देशों के बीच खेल मित्रता के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने का शानदार अवसर है। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा खिलाड़ी इस अनुभव का पूरा लाभ उठाएंगे और भारतीय हॉकी की प्रतिभा तथा क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'यह दौरा बेहद ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल साझेदारी के एक शतक का जश्न मना रहे हैं। यह हमारे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने, अपनी क्षमता दिखाने और भविष्य की चुनौतियों के लिए अपनी तैयारी साबित करने का महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है:-

गोलकीपर: मोहित एचएस, पवन।

डिफेंडर: तालेम प्रियाबर्ता, संजय (कप्तान), नीलम संजीप एक्सेस, शारदा नंद तिवारी, अनमोल एक्का, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर: अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, रविचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर, वेंकटेश केंचे।

फॉरवर्ड: अजीत यादव, उत्तम सिंह, कार्ति सेल्वम, अर्शदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल।

भारत-न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार):

19 नवंबर, गुरुवार : सुबह 11:00 बजे।

21 नवंबर, शनिवार : सुबह 8:30 बजे।

22 नवंबर, रविवार : सुबह 6:30 बजे।

तीनों मुकाबले ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले शेफील्ड शील्ड में लौटेंगे ऑस्ट्रेलिया के 11 टेस्ट सितारे

मेलबर्न। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के 11 प्रमुख टेस्ट खिलाड़ी अगले एक महीने में अलग-अलग चरणों में शेफील्ड शील्ड क्रिकेट में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा इस सप्ताह शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर के मुकाबले समाप्त होने के बाद की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने सोमवार को बताया कि कूपर कोनोली, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ शेफील्ड शील्ड के पांचवें दौर में अपनी-अपनी राज्य टीमों की ओर से खेलेंगे। वहीं, मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन चौथे दौर में मैदान पर उतरेंगे। बेली ने कहा, 'मार्नस, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ पांचवें दौर में टीम से जुड़ेंगे। कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस भी पांचवें दौर में खेलेंगे। वे स्पष्ट रूप से टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के पांचवें दौर में खेलने की पुष्टि होना अभी बाकी है। बेली ने इससे पहले स्पष्ट किया था कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चयन के दायरे में नहीं रखा जाएगा। उनके पूरी सीरीज से बाहर रहने की भी संभावना है। शेफील्ड शील्ड का चौथा दौर बुधवार से शुरू होगा। इसमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर विक्टोरिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, न्यू साउथ वेल्स की टीम साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड की टीम तस्मानिया से भिड़ेगी। पांचवें दौर के मुकाबले 22 नवंबर से शुरू होंगे। इस दौर में पुरानी प्रतिद्वंद्वी न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का खास आकर्षण अच्छे दोस्त स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बीच होने वाली संभावित भिड़ंत होगी। साउथ ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड और क्वींसलैंड के उनके नए सलामी जोड़ीदार मैथ्यू रेनशॉ की शेफील्ड शील्ड में वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बेली ने संकेत दिया कि न्यूजीलैंड के बाद लगातार होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए इन दोनों खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया को सीधे भारत का पांच टेस्ट मैचों का दौरा करना है।

खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने जारी किया खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम, तेलंगाना करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का पूरा कार्यक्रम घोषित किया। तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में 27 प्रतिस्पर्धी और एक प्रदर्शन खेल सहित कुल 28 खेल शामिल होंगे। खेलो इंडिया कार्यक्रम के इतिहास में पहली बार तेलंगाना इसकी मेजबानी करेगा। हैदराबाद में लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम परिसर, बशीरबाग और आधुनिक गाचीबोवली खेल परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर 22 खेलों के पदक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। बाकी खेलों की मेजबानी खम्मम (तीरंदाजी), हनुमकोंडा (एथलेटिक्स), करीमनगर (जूडो), निजामाबाद (टेबल टेनिस) और महबूबनगर (कबड्डी) करेंगे।



डॉ. मांडविया ने कहा, 'मुझे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम घोषित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इसके साथ ही खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला की शुरुआत होगी। पिछले कुछ वर्षों में इन आयोजनों ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मंच दिया है। इसके बाद खिलाड़ी हमारी योजनाओं के माध्यम से उत्कृष्टता की राह पर आगे बढ़ते हैं। अइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों के ठीक बाद खेलो इंडिया यूथ गेम्स आयोजित हो रहे हैं, इसलिए हमें यहां कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने की उम्मीद है। 12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में लगभग छह हजार खिलाड़ियों और 1800 सहयोगी स्टाफ के हिस्सा लेने की उम्मीद है। सॉफ्टबॉल पहली बार प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल होगा, जबकि नौकायन को पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स के कार्यक्रम में जगह मिली है। हालांकि, नौकायन पदक स्पर्धा नहीं, बल्कि प्रदर्शन खेल के रूप में आयोजित किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि खेलों का पारिस्थितिकी तंत्र इस तरह विकसित होना चाहिए कि हम ओलंपिक में अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा ले सकें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि हमें समुद्र और पहाड़ों जैसे प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से खेले जाने वाले खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। नौकायन भी ऐसा ही एक खेल है। हमें बेहद खुशी है कि हमारे नौकायन खिलाड़ी इन खेलों का हिस्सा बनेंगे और अपने खेल को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का पिछला संस्करण 3 से 15 मई 2025 तक बिहार में आयोजित किया गया था। इसमें महाराष्ट्र ने 58 स्वर्ण, 47 रजत और 53 कांस्य सहित कुल 158 पदक जीतकर खिताब अपने नाम किया था। यह महाराष्ट्र का पांचवां खेलो इंडिया यूथ गेम्स खिताब था। उसने लगातार तीसरी बार यह उपलब्धि हासिल की थी। दो बार की चैंपियन हरियाणा 39 स्वर्ण, 27 रजत और 51 कांस्य सहित कुल 117 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा था। राजस्थान ने 24 स्वर्ण, 12 रजत और 24 कांस्य सहित कुल 60 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया था। बिहार संस्करण में कुल 26 रिकॉर्ड बने थे। इनमें आठ रिकॉर्ड लड़कियों ने बनाए थे, जिनमें पांच भारोत्तोलन के राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड शामिल थे। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, गतका, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कलरिपयट्टु, खो-खो, मल्लखंब, रोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्टबॉल, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-ता, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और योगासन।

भारत के खिलाफ आखिरी दो वनडे से बाहर हुए फर्ग्यूसन, टिकनर भी नहीं खेलेंगे अगले दो मुकाबले

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजी चोटों से जूझ रही है। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं, जबकि ब्लेयर टिकनर भी अगले दो मैचों में नहीं खेल पाएंगे। वहीं, गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि फर्ग्यूसन टी20 सीरीज के दौरान दाएं पैर की पिंडली में लगी मामूली चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। दूसरी ओर, वेलिंगटन में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान सिर पर गेंद लगने से चोटिल हुए टिकनर को जांच में कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होना) नहीं पाया गया है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनिवार्य सात दिन के विश्राम नियम के कारण वह अगले दो मुकाबलों से बाहर रहेंगे। दूसरे वनडे में उनकी जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया था।

आखिरी दो वनडे के लिए पहले से घोषित क्रिस्टियन क्लार्क को टिकनर के विकल्प के तौर पर हैमिल्टन में होने वाले तीसरे वनडे से पहले टीम में बुलाया गया है। वहीं, मैट हेनरी की चौथे वनडे में वापसी की उम्मीद है। सीरीज शुरू होने से पहले डेवोन कॉनवे से टकराने के कारण हेनरी चोटिल हो गए थे। हालांकि, उन्हें कन्कशन नहीं पाया गया था। इसके अलावा दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान



उनकी दाईं जांघ की मांसपेशियों में भी मामूली चोट आई थी। हेनरी और काइल जैमीसन को तीसरे वनडे के बाद वेलिंगटन में टेस्ट टीम से जुड़ना था, लेकिन अब वे चौथे वनडे के लिए भी न्यूजीलैंड टीम के साथ बने रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि आखिरी दो मुकाबलों के लिए टीम में दो और खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स और नाथन स्मिथ बुधवार को तीसरे वनडे के अगले दिन वेलिंगटन रवाना होंगे। टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड की स्थिति फिलहाल बेहद खराब है। मेजबान टीम शुरुआती दोनों मुकाबले गंवाकर 0-2 से पीछे है। इससे पहले टी20 सीरीज में भी उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। चोटों के कारण न्यूजीलैंड को पहले से ही कई खिलाड़ियों की कमी खल रही है। कन्कशन के कारण डेवोन कॉनवे पूरी सीरीज से बाहर हैं, जबकि रचिन रवींद्र (कंधे) और मार्क चैपमैन (हैमस्ट्रिंग) भी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर होंगे मार्नस लाबुशेन, चयन समिति ने किया साफ

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ दिसंबर और जनवरी में होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर रखा जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की चयन समिति ने उन्हें फिलहाल टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने सोमवार (9 नवंबर) को स्पष्ट किया कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए इस समय चयन के दायरे में नहीं रखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने भविष्य में टीम में वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया।

बेली ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'इस समय हम निश्चित रूप से पहले टेस्ट के लिए मार्नस पर विचार नहीं करेंगे, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भी उन्हें चयन के दायरे में नहीं रखेंगे। टीम में उनकी जगह को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे उन्हें थोड़ा समय और मानसिक राहत मिलेगी। साथ ही, शेफील्ड शील्ड क्रिकेट के अगले दौर के दौरान उनकी टीम में जगह को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी विराम लगेगा। पिछले 17 महीनों में यह दूसरी बार है, जब लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवानी पड़ी है। लंबे समय तक तीसरे नंबर पर टीम की मजबूत कड़ी रहे लाबुशेन का शतकीय सूखा लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने अपना पिछला टेस्ट शतक 2023 की एशेज सीरीज में मैनचेस्टर में लगाया था। इसके बाद से वह 49 पारियों में शतक नहीं लगा सके हैं। खराब फॉर्म के कारण पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज दौरे के दौरान भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह गंवानी पड़ी थी। हालांकि, वह टीम के साथ जुड़े रहे थे।

घरेलू सत्र की अच्छी शुरुआत के बाद लाबुशेन ने घरेलू एशेज सीरीज में तीसरे नंबर पर वापसी की थी। उन्होंने शुरुआती दोनों टेस्ट में अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन लगातार गिरता चला गया। पिछले 16 पारियों से वह अर्धशतक भी नहीं लगा सके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 12 की औसत से 36 रन बनाए, जबकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 21.83 की औसत से 131 रन ही बना सके। ऑस्ट्रेलिया को इन दोनों सीरीज में जीत नहीं मिली। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज 1-1 से बराबर रही, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से जीत दर्ज की। बेली ने लाबुशेन के खराब प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा कि उनके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी की संभावनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया को भारत का पांच टेस्ट मैचों का दौरा करना है। इसके अलावा अगले साल इंग्लैंड में एशेज सीरीज भी खेली जानी है। बेली ने कहा, 'हां, उनकी वापसी निश्चित रूप से संभव है। हम सभी जानते हैं कि मार्नस अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में कितने अच्छे और प्रभावी खिलाड़ी हो सकते हैं। लेकिन हाल के प्रदर्शन में वह बात नजर नहीं आई है। उन्होंने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं।

एक नजर

चीन ने अमेरिकी सामान पर 24 फीसदी टैरिफ के निलंबन को आगे बढ़ाया



बीजिंग,एजेंसी। चीन की स्टेट काउंसिल के कस्टम टैरिफ आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि 10 नवंबर से चीन अमेरिका से आयातित सामान पर लगने वाले अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ के निलंबन को दो और महीनों के लिए बढ़ा देगा, जबकि 10 फीसद का टैरिफ लागू रहेगा। इससे पहले चीन ने 10 नवंबर, 2025 को अमेरिकी सामानों पर लगने वाले अतिरिक्त 24 फीसद टैरिफ को एक साल की अवधि के लिए निलंबित कर दिया था। ये कदम वाशिंगटन में चीन और अमेरिका के नेताओं के बीच हुई बैठक में बनी सहमति को लागू करने के लिए उठाए जा रहे हैं। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी सामानों पर कुछ अतिरिक्त टैरिफ को निलंबित रखने से दोनों देशों के व्यवसायों के बीच सहयोग के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नीतिगत माहौल बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे चीन-अमेरिका व्यापार और आर्थिक संबंधों के सतत विकास में भी योगदान मिलेगा।

फारस की खाड़ी के छह देशों ने क्षेत्रीय रेलवे बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए

दोहा,एजेंसी। फारस की खाड़ी छह देशों ने साल 2030 तक क्षेत्रीय रेलवे बनाने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रेलवे फारस की खाड़ी के छह देशों से होकर गुजरेगी और कुल 1,768 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। बहरीन के नेशनल कम्युनिकेशन सेंटर ने मनामा में परिवहनमंत्रियों की बैठक के बाद यह जानकारी दी। सेंटर ने बताया, 'बहरीन में परिवहन मंत्रियों की बैठक में हुए इस समझौते में यात्रियों और माल की ढुलाई के लिए एक आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली बनाने का प्रावधान है। इसका निर्माण नवंबर 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बयान में कहा गया है, 'इस परियोजना का उद्देश्य 'गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल' के सदस्य देशों के रेल नेटवर्क को एक एकीकृत क्षेत्रीय प्रणाली में जोड़ना है।' सेंटर ने कहा कि इससे परिवहन कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय व्यापार में सुधार होगा। साथ ही लॉजिस्टिक्स सेवाओं और सप्लाई चेन की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने के पहले नया पासपोर्ट, नया पहचान पत्र मांगा



नई दिल्ली/लंदन। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने कानूनी सलाहकार के माध्यम से नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से औपचारिक रूप से संपर्क कर उनके लिए एक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जारी करने का अनुरोध किया है। भारत में बांग्लादेश की कार्यवाहक उच्चायुक्त प्रीति रहमान को संबोधित एक पत्र में, लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स के बैरिस्टर स्टीवन पावेल्स केसी ने कहा कि यह अनुरोध अंतरिम सरकार और अन्य अधिकारियों द्वारा हसीना के मौजूदा पासपोर्ट और एनआईडी को कथित तौर पर रद्द किए जाने के बाद किया गया है। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह आवेदन हसीना की बांग्लादेशी नागरिकता पर आधारित है, तथा इसमें बांग्लादेश के कानूनों के तहत उत्पन्न होने वाले दायित्वों के साथ-साथ लागू अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार विनियमों के तहत दायित्वों का भी हवाला दिया गया है। कानूनी प्रतिनिधि ने उच्च उच्चायोग से इस मामले की जांच करने तथा नए दस्तावेज अविलंब जारी करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं और दस्तावेजों के बारे में अवगत कराने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि भारत में करीब सवा दो साल से निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहीं शेख हसीना पहले ही ऐलान कर चुकीं हैं कि वह दिसंबर में स्वदेश लौटेंगी और उन पर एवं अवामी लीग पर लगाए गए आरोपों का लोकतांत्रिक ढंग से सामना करेंगीं।

कोविड के नए वैरिएंट पीजे-2.1 के लक्षण सर्दी-जुकाम या फ्लू जैसे हो सकते हैं: विश्व स्वास्थ्य संगठन

मॉस्को। कोविड-19 के नए वैरिएंट पीजे-2.1 के लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम या फ्लू जैसे हो सकते हैं। ऐसे में केवल लक्षणों के आधार पर संक्रमण की पहचान करना संभव नहीं है और इसकी पुष्टि के लिए जांच जरूरी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कोविड-19 इन्फ्लुएंजा और सांस से जुड़े अन्य संक्रमणों के लक्षण एक-दूसरे से काफी मिलते-जुलते हो सकते हैं। इसलिए केवल लक्षण देखकर यह निश्चित रूप से बताना मुश्किल है कि संक्रमण किस वायरस के कारण हुआ है। संगठन के अनुसार यदि बीमारी के कारण की पहचान से इलाज की रणनीति या सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े फैसलों पर असर पड़ सकता हैए तो जांच कराना आवश्यक हो सकता है। इससे पहले डब्ल्यूएचओ के रूस स्थित कार्यालय ने रिया नोवोस्ती को बताया था कि कोरोना वायरस के नए वैरिएंट पीजे-2.1 के वैश्विक स्तर पर फैलने का खतरा बढ़ रहा है। संगठन इस वैरिएंट के प्रसार पर करीबी नजर रख रहा है। इस बीचए संक्रामक रोग विशेषज्ञ और वायरोलॉजिस्ट डॉ एलेना मालिनिकोवा ने बताया कि इस वैरिएंट के संक्रमण में गले में तेज दर्द और बीमारी से उबरने के बाद लंबे समय तक थकान बने रहना देखने को मिल सकता है।

इजराइल में आइसेनकोट को सरकार बनाने का आधिकारिक निमंत्रण, राष्ट्रपति ने छह हफ्ते का समय दिया



यरुशलम,एजेंसी। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने विपक्षी पार्टी यशार के नेता गादी आइसेनकोट को नई सरकार बनाने का आधिकारिक निमंत्रण (जनादेश) आठ नवंबर को इजराइल के स्थानीय समयानुसार शाम 5:00 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे) दिया। आधिकारिक शासनादेश सौंपने का यह समारोह राष्ट्रपति आवास पर इजराइली समयानुसार शाम 5:00 बजे शुरू हुआ। गादी को 120 सदस्यों वाली नेसेट (संसद) में 67 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। यशार पार्टी के नेता के पास सरकार बनाने के लिए अब छह सप्ताह तक का समय है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, देश के पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइसेनकोट ने ऐसी सरकार बनाने का वादा किया है जिसे वे 'राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार' कहते हैं। उन्होंने कहा वह इसके लिए 'रचनात्मक और लीक से हटकर' प्रयास करेंगे। रविवार को राष्ट्रपति ने मध्यमार्गी नेता आइसेनकोट को सरकार बनाने के लिए छह सप्ताह तक का समय दिया है। उन्होंने वादा किया है कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाएगी और देश मेंएक नए युग की शुरुआत करेगी।

आइसेनकोट ने कहा, 'इजराइल चुनौतीपूर्ण और निर्णायक आपातकालीन स्थिति से गुजर रहा है।' उन्होंने कई मोर्चों पर चल रही लड़ाई, सहयोगियों और विरोधियों के बीच इजराइल की गिरती अंतरराष्ट्रीय साख और लोकतंत्र के लिए अब तक के 'सबसे नाजुक दौर' की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'अगर हम मौजूदा हालात में ही आगे बढ़ते रहे तो हम एक ऐसे अंधेरे दौर में जा सकते हैं, जहां से वापसी नामुमकिन होगी। एक समाज और देश के रूप में हमारे लिए वहां से वापस लौटना बहुत मुश्किल हो जाएगा।' उन्होंने कहा, 'इसलिए, एक नए नेतृत्व की बहुत सख्त जरूरत है। ऐसा नेतृत्व जिसकी आंखों में देखकर आप भरोसा कर सकें और जिसकी प्राथमिकता हमेशा इजराइल का कल्याण और सुरक्षा हो।'

आइसेनकोट ने माना कि इस प्रयास में सफलता मिलना पक्का नहीं है। उनका समर्थन करने वाले दलों में 48 सदस्यों वाला यहूदी-नेतृत्व वाला गुट और 19 सदस्यों वाला अरब-नेतृत्व वाला गुट शामिल है। हालांकि अरब दलों ने आइसेनकोट के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन करने या उसके खिलाफ वोट न देने का वादा किया है, लेकिन यहूदी गुट के सदस्यों का कहना है कि वे ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होंगे जो अरब गुटों के समर्थन पर टिकी हो। अब इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या आइसेनकोट अल्पमत सरकार बनाएंगे या फिर वे 'हारेदी' (अति-रूढ़िवादी यहूदी) दलों के साथ हाथ मिलाएंगे, जो लंबे समय से नेतन्याहू के सहयोगी रहे हैं। आइसनकोट ने यह नहीं बताया कि बातचीत में उनका रुख क्या होगा। लेकिन उन्होंने कहा कि उनका गठबंधन किसी भी ऐसे दल के लिए खुला है जो उनके सिद्धांतों को स्वीकार करे। उन्होंने सीधे नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के सदस्यों और कट्टर दक्षिणपंथी 'रिलिजियस ज़ायोनिज्म' पार्टी से अपील की। उन्होंने दोबारा चुनाव की संभावना को भी खारिज कर दिया। आइसनकोट ने संकल्प लिया, 'आज मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसके तहत मैं एक 'राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार' के गठन का नेतृत्व करूंगा। इसके लिए कुछ रचनात्मक और लीक से हटकर राजनीतिक कदम उठाने होंगे। इजराइल के पास समय बरबाद करने या बार-बार चुनाव कराने की गुंजाइश नहीं है। चुनौतियां बहुत गंभीर हैं। बंटी हुई 'नेसेट' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे कोई 'भ्रम' नहीं पाल रहे हैं। वे जानते हैं कि इजराइल, 'देश की स्थापना के बाद से अपनी सबसे जटिल और संवेदनशील राजनीतिक स्थिति' से गुजर रहा है।

पीओके के पूर्व राष्ट्रपति राजा मोहम्मद जुलकरनैन खान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

इस्लामाबाद/मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के पूर्व राष्ट्रपति राजा मोहम्मद जुलकरनैन खान का रविवार दोपहर उनके पैतृक शहर कसगुमा (भीम्बर जिले में) में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनका निधन शनिवार को संघीय राजधानी इस्लामाबाद के एक अस्पताल में संक्षिप्त बीमारी के बाद हो गया था। उन्होंने 93 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। पीओके सरकार ने रविवार को एक दिन के आधिकारिक शोक की घोषणा की।

डान समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार आज राज्य का झंडा आधा झुका रहा। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि दिवंगत नेता का रविवार दोपहर उनके पैतृक शहर कसगुमा (भीम्बर जिले में) में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। 15 मार्च, 1933 को जन्मे राजा जुलकरनैन के पिता खान बहादुर राजा मोहम्मद अफजल खान चिब राजपूत समुदाय से थे। वह आईसीएस अधिकारी थे और महाराजा हरि सिंह के प्रशासन में काम करते थे। उन्हें भीम्बर जिले में जागीर (संपत्ति) मिली थी। राजा जुलकरनैन ने अपनी शुरुआती शिक्षा श्रीनगर और दिल्ली में प्राप्त की। 13 साल की उम्र में लॉरेंस कॉलेज (घोरा गली) में दाखिला लिया। वहां उनके साथ पढ़ने वालों में पूर्व प्रधानमंत्री ज़फरुल्लाह जमाली और बलोचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार अकबर बुगती भी शामिल थे। 1955 में गवर्नमेंट कॉलेज लाहौर से स्नातक करने के बाद उन्होंने 1958 में कराची में यूनाइटेड बिल्डर्स की स्थापना करके निर्माण व्यवसाय में कदम रखा। बाद में इस कंपनी ने पाकिस्तान, पीओके, यूएई और इराक में कई परियोजनाओं पर काम किया। राजा जुलकरनैन ने 1960-61 में राजनीति में प्रवेश किया। वह पीओके के पूर्व राष्ट्रपति और कायदे-आजम मोहम्मद अली जिन्ना के निजी सचिव रहे केएच खुर्शीद के सहयोगी थे। पाकिस्तान में जनरल अयूब खान की बुनियादी लोकतंत्र प्रणाली के तहत हुए पहले चुनाव में उन्हें अपनी पैतृक यूनियन काउंसिल (कसगुमा) का चेयरमैन चुना गया। 1962 में खुर्शीद ने 'जम्मू कश्मीर लिबरेशन लीग' की स्थापना कर राजा को इसका संस्थापक महासचिव नियुक्त किया। 1975 में संसदीय प्रणाली के तहत पीओके के पहले आम चुनाव से पहले राजा पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) में शामिल हो गए और समाहनी से विधानसभा के लिए चुने गए।

कराची में पुलिस मुठभेड़ों में बढ़ती मौतों पर मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में पुलिस मुठभेड़ों के दौरान संदिग्ध अपराधियों की मौत के मामलों में तेजी से हुई वृद्धि ने मानवाधिकार संगठनों की चिंता बढ़ा दी है। संगठनों ने इन घटनाओं को कथित न्यायेतर हत्याएं बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। दूसरी ओर, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का दावा है कि सभी मुठभेड़ वास्तविक थीं और इस दौरान पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन के अनुसार, कराची में पिछले 10 महीनों के दौरान पुलिस मुठभेड़ों में करीब 200 संदिग्ध सड़क अपराधी मारे गए। यह संख्या पिछले साल की समान अवधि में मारे गए 109 लोगों के मुकाबले लगभग 80 प्रतिशत अधिक है। कराची पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, एक जनवरी से 25 अक्टूबर 2026 के बीच 1,437 मुठभेड़ हुईं। इनमें 197 संदिग्धों की मौत हुई, जबकि 1,426 घायल हुए। मुठभेड़ों की संख्या भी 2025 की इसी अवधि के 840 के मुकाबले करीब 71 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों में इन मुठभेड़ों के दौरान घायल हुए सुरक्षाकर्मियों की संख्या का ब्योरा नहीं दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इन कार्रवाइयों में उसके जवानों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। मानवाधिकार आयोग पाकिस्तान (एचआरसीपी) के अध्यक्ष असद इकबाल बट ने मुठभेड़ों में संदिग्धों की मौत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग ऐसी मौतों को न्यायेतर हत्याएं मानता है। उनके मुताबिक, पंजाब पुलिस में कथित तौर पर पनपी मुठभेड़ों की यह प्रवृत्ति अब कराची तक पहुंचती दिखाई दे रही है। बट ने बताया कि आयोग की तथ्य-जांच में पंजाब में आठ महीने के दौरान कथित पुलिस मुठभेड़ों में करीब 1,000 संदिग्धों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी। आयोग ने इसी वर्ष फरवरी में पंजाब के अपराध नियंत्रण विभाग (सीसीडी) पर सुनियोजित तरीके से फर्जी मुठभेड़ करने का आरोप लगाते हुए उसकी कार्रवाई की निंदा की थी। एचआरसीपी ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर बताया था कि वर्ष 2025 में आठ महीनों के दौरान सीसीडी के नेतृत्व में कम से कम 670 मुठभेड़ हुईं, जिनमें 924 संदिग्ध मारे गए। इस दौरान दो पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। आयोग के अनुसार, मौतों के आंकड़ों में भारी अंतर और विभिन्न जिलों में पुलिस कार्रवाई के एक जैसे तौर-तरीके किसी संस्थागत प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हैं।

ट्रंप ने सीनेटरों से ऊर्जा परियोजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया सरल करने के लिए मांगा समर्थन



वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीनेटरों से वर्ष 2026 के अमेरिकी वहनीयता एवं रोजगार विधेयक एस. 5653 (अमेरिकन अफोर्डेबिलिटी एंड जॉब्स एक्ट ऑफ 2026 -रू. 5653) के समर्थन में मतदान करने की अपील की है। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून को अमेरिका की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

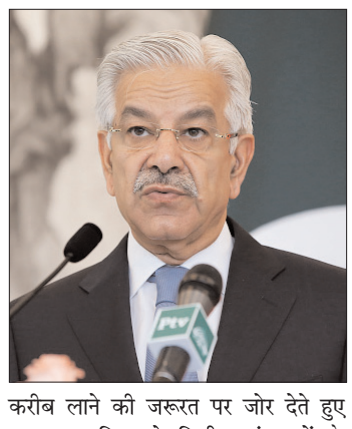
उन्होंने दोनों राजनीतिक दलों के समर्थन से तैयार इस विधेयक को पारित कराने का आग्रह किया। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य ऊर्जा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को सरकारी मंजूरी देने की प्रक्रिया सरल और तेज करना है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ''मैं सभी सीनेटरों से अमेरिकी वहनीयता एवं रोजगार अधिनियम (एस. 5653) के पक्ष में मतदान करने की अपील करता हूं। यह विधेयक अमेरिका की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और वैश्विक वर्चस्व की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''यह ऐतिहासिक विधायी सुधार हमारी अमेरिका प्रथम ऊर्जा नीति को कानूनी स्वरूप देगा। इससे हम पहले से कहीं अधिक तेजी से तेल एवं गैस पाइपलाइन, खदानों और बिजली संयंत्रों का निर्माण कर सकेंगे। इससे अमेरिकी परिवारों के लिए ऊर्जा की लागत कम होगी और देश में अधिक वेतन वाले रोजगार के अवसर पैदा होंगे।'' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ''यह कानून बिजली उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने संबंधी मेरी प्रतिबद्धता को भी कानूनी स्वरूप देगा। इसके तहत आंकड़ा केंद्रों (डेटा सेंटर) को अपनी बिजली की व्यवस्था स्वयं करनी होगी और उसका खर्च भी खुद उठाना होगा। साथ ही, उन्हें अपने स्थानीय समुदायों के विकास में निवेश करने में भी योगदान देना होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा, ''याद रखिए, चीन उन सभी आंकड़ा केंद्रों को अपने यहां ले जाने के लिए तैयार है, जिन्हें हम नहीं चाहते। इसके लिए वह भारी धनराशि भी खर्च करेगा। हम पहले स्थान पर हैं और हमें अपनी यह स्थिति बनाए रखनी है। आज ही अपने सीनेटर को फोन कीजिए और उनसे इस विधेयक के पक्ष में मतदान करने के लिए कहिए।'' ट्रंप के अनुसार, इस विधेयक के लागू होने से तेल एवं गैस पाइपलाइन, खनन परियोजनाओं और बिजली संयंत्रों के निर्माण में लगने वाला समय कम हो सकेगा। इससे ऊर्जा की लागत घटाने और अमेरिकी नागरिकों के लिए बेहतर वेतन वाले रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपने-अपने सीनेटरों से संपर्क कर विधेयक के पक्ष में मतदान करने का आग्रह भी किया। अमेरिकी कांग्रेस के अनुसार, वर्ष 2026 का द्विदलीय अमेरिकी वहनीयता एवं रोजगार विधेयक 30 सितंबर को सीनेट में एस. 5653 के रूप में पेश किया गया था। इसे शेली मूर कैपिटो, शेल्डन व्हाइटहाउस, माइक ली और मार्टिन हेनरिक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सीनेटरों ने प्रस्तुत किया। 417 पृष्ठों के इस विधेयक में राष्ट्रीय पर्यावरण नीति कानून के तहत होने वाली पर्यावरणीय समीक्षा सहित संघीय स्तर पर परियोजनाओं को मंजूरी देने की मौजूदा प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान में नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन के पक्ष में

इस्लामाबाद,एजेंसी। देश में नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन को लेकर चल रही बहस के बीच रविवार को रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि इन इकाइयों का गठन भाषाई, जातीय या राजनीतिक आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। वह पहले भी इस सुझाव का समर्थन कर चुके हैं। इस प्रस्ताव को सबसे पहले उनके कैबिनेट सहयोगी मोहसिन नकवी ने रखा था। नकवी ने कहा था कि वर्तमान में सारी शक्तियां प्रांतीय राजधानियों में केंद्रित हैं। इस वजह से सरकारी सेवाएं और संसाधन स्थानीय स्तर पर लोगों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

डान समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार 'जियो न्यूज' से बातचीत में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि नए प्रांत बनाने के विचार पर पिछले दो महीनों से चर्चा चल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर इन इकाइयों का गठन भाषाई, जातीय या राजनीतिक आधार के बजाय प्रशासनिक जरूरतों के हिसाब से किया जाए तो देश में कुल 12 प्रांत हो सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि पाकिस्तान की बढ़ती आबादी को देखते हुए छोटी प्रशासनिक इकाइयों की जरूरत है, जो जनता तक सेवाएं ज्यादा बेहतर तरीके से पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि फैसले लेने का अधिकार केवल लाहौर, कराची, क्वेटा और पेशावर जैसी प्रांतीय राजधानियों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रशासनिक शक्तियों को लोगों के



करीब लाने की जरूरत पर जोर देते हुए ख्वाजा आसिफ ने वित्तीय संसाधनों के बंटवारे की मौजूदा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार से मिलने वाला फंड स्थानीय सरकारी संस्थाओं तक पहुंचने के बजाय, ज्यादातर प्रांतीय सरकारों के नियंत्रण में ही रहता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों को इन संसाधनों से लाभ मिलना चाहिए था, लेकिन वे फंड और अधिकारों के लिए अभी भी प्रांतीय सरकारों पर निर्भर हैं। मंत्री ने राजनीतिक नेताओं से सत्ता के इस्तेमाल को लेकर अपना नजरिया बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजनेताओं में अक्सर यह प्रवृत्ति होती है कि वे सारी शक्तियां खुद अपने पास रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को याद रखना चाहिए कि उन्हें यह अधिकार जनता ने सौंपे हैं। पुरानी प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जिक्र करते हुए ख्वाजा आसिफ ने एक इकाई योजना को याद किया। इस व्यवस्था के तहत पश्चिमी पाकिस्तान के प्रांतों को मिलाकर एक एकल प्रशासनिक इकाई बना दी गई थी, जिसे बाद में खत्म कर दिया गया था। उन्होंने अफगानिस्तान का भी जिक्र किया और कहा कि वहां प्रांतों की संख्या लगभग 8-10 से बढ़कर 30 से ज्यादा हो गई है।

रक्षामंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तान को 28वें संवैधानिक संशोधन के जरिए 12 प्रांतों में बांटने की योजना की खबरें आ रही हैं। साथ ही इस पर पूरे देश में जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराने पर भी विचार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित पुनर्गठन में पंजाब को चार प्रांतों में, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलोचिस्तान को तीन-तीन प्रांतों में और सिंध को दो प्रांतों में बांटा जा सकता है। इस बीच, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने रविवार को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में 'ऐतिहासिक जीत' हासिल करने के लिए अपने पूरे संगठनात्मक नेटवर्क और संसदीय नेतृत्व को एकजुट करने का संकल्प लिया। साथ ही पार्टी ने सिंध में नई प्रशासनिक इकाइयां बनाने की अपनी मांग को फिर से दोहराया, ताकि शक्तियों और संसाधनों का विकेंद्रीकरण जमीनी स्तर तक हो सके। यह संकल्प पार्टी के राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व की एक उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया।

नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन की तोड़फोड़ ने रूस, यूरोप के बीच के भरोसे को तोड़ दिया : रूस

मास्को। रूस ने आज कहा कि यूरोप को गैस आपूर्ति करने वाली नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन की पानी के भीतर हुई तोड़फोड़ ने मास्को और यूरोप के बीच ऊर्जा और कूटनीतिक भरोसे को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है। पाइपलाइन के कमिशनिंग की 15वीं वर्षगांठ के अवसर पर रूसी विदेश मंत्रालय में यूरोपीय मामलों के विभाग के निदेशक व्लादीस्लाव मास्लेन्निकोव ने इस पाइपलाइन का उल्लेख किया और बताया कि ये किस प्रकार से एक समय में पारस्परिक रूप से लाभप्रद और रचनात्मक आर्थिक सहयोग का प्रतीक थी और अब इसे पूर्व-पश्चिम संबंधों के युग में आए बदलाव के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है।

मास्लेन्निकोव ने दावा किया कि सस्ती रूसी प्राकृतिक गैस यूरोपीय संघ की आर्थिक समृद्धि के प्राथमिक चालकों में से एक थी। उन्होंने कहा कि महाद्वीपीय स्थिरता लंबे समय से इन स्थिर ऊर्जा गलियारों पर निर्भर रही है। इस दरार की जड़ें एक दशक पहले बनाई गई रणनीतिक और आर्थिक वास्तुकला में निहित हैं। नवंबर 2011 में शुरू की गई नॉर्ड स्ट्रीम 1 प्रणाली ने रूस के वाइबोर्ग से जर्मनी के ग्रीफ्सवाल्ड तक बाल्टिक सागर के नीचे एक सीधा, उच्च-क्षमता वाला ऊर्जा गलियारे ने पूर्वी यूरोप के पारंपरिक भूमि-पारगमन मार्गों का एक प्रभावी विकल्प तैयार कर दिया था। जबकि जर्मनी ने इस उद्यम का बचाव एक विशुद्ध रूप से व्यावसायिक आवश्यकता के रूप में किया, इस परियोजना को अमेरिका और पोलैंड और यूक्रेन जैसे पूर्वी यूरोपीय देशों के कड़े भू-राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने चेतावनी दी थी कि यह रूस पर रणनीतिक निर्भरता को मजबूत करेगा। करीब चार साल पहले 26-27 सितंबर, 2022 को डेनमार्क के बोर्नहोम द्वीप के पास पानी के नीचे हुए सिलसिलेवार भीषण विस्फोटों ने नॉर्ड स्ट्रीम 1 और 2 के चार में से तीन पाइपलाइन स्ट्रिंग्स को नष्ट कर दिया, जिससे इतिहास में मीथेन का सबसे बड़ा रिसाव हुआ और प्रत्यक्ष रूसी गैस आयात की मुख्य धमनी कट गई। उन बाल्टिक सागर विस्फोटों के चार साल पूरे होने पर रूस ने अंतरराष्ट्रीय जांच में बाधा डालने और इसके बाद की कानूनी जांच को एक उपहास में बदलने के लिए पश्चिमी देशों की कड़ी आलोचना की है। राजनयिक ने दावा किया कि जर्मनी, डेनमार्क और स्वीडन ने रूसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने से व्यवस्थित रूप से इनकार कर दिया और कानूनी प्रक्रियाओं को खींचा, जिससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय जांच प्रभावी रूप से अवरुद्ध हो गई। यह तनाव राष्ट्रीय जांच के अलग-अलग रास्तों से और बढ़ गया था। 2024 की शुरुआत तक स्वीडन और डेनमार्क दोनों ने औपचारिक दोष तय किए बिना अपनी-अपनी प्रारंभिक जांच बंद कर दी- स्वीडन ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में स्थानीय क्षेत्राधिकार के आधार की कमी का हवाला दिया और डेनमार्क ने आपराधिक आरोपों के लिए अपर्याप्त आधार का हवाला दिया।

एक नजर

झारखंड में बढ़ी ठंड, रांची सहित कई जिलों के तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट

रांची,एजेंसी। झारखंड में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में सोमवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रांची, बोकारो और चाईबासा समेत कई अन्य इलाकों में तापमान दो से तीन डिग्री तक नीचे आया है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिला। रांची में रविवार को न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सोमवार को गिरकर 13.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं, अधिकतम तापमान भी 27.2 डिग्री से घटकर 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस तरह राजधानी में दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट आई है। इसी तरह बोकारो में न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री से गिरकर 15.5 डिग्री सेल्सियस हो गया। चाईबासा में भी ठंड का असर बढ़ा है। यहां न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। रविवार को यहां न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री था, जो सोमवार को घटकर 15.2 डिग्री सेल्सियस रह गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। इधर, सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। हालांकि, सुबह के समय हल्का कुहासा छाया रहा और ठंडी हवाओं के कारण कनकनी महसूस की गई। दोपहर में धूप की तल्खी के कारण लोगों को कुछ राहत मिली। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 30.6 और न्यूनतम 17.3 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 31.4 और न्यूनतम 17.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 28.1 और न्यूनतम 15.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 30.8 और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

दनुआ सड़क हादसा : एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत सात लोगों की मौत

हजारीबाग,एजेंसी। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत दनुआ घाटी में सोमवार को हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा हथिया बाबा मोड़ के समीप महानेटांड़ कट के पास सुबह करीब 11 बजे हुआ। सभी लोग एक बुजुर्ग के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए वाराणसी जा रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी सवारी गाड़ी को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायलों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित सलैयाटांड़ गांव से 19 लोग एक सवारी गाड़ी में सवार होकर वाराणसी जा रहे थे। रास्ते में वाहन की छत पर रखे शव को बांधने वाली रस्सी ढीली हो गई। इसके बाद चालक ने महानेटांड़ कट के पास गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। यात्री रस्सी ठीक कर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने सवारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इसी दौरान पीछे से आ रहा कोयला लदा एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त सवारी गाड़ी से टकराने के बाद सड़क किनारे घाटी में पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार और पुलिस अधिकारी नितिन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने घटनास्थल पर पांच लोगों की मौत की पुष्टि की थी। चार घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया। वहीं, अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजकिशोर सूचना मिलने पर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और चिकित्सकों से घायलों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अस्पताल पहुंचने वाले सभी घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उपाधीक्षक ने हादसे में सात लोगों की मौत की पुष्टि की। इनमें पांच की मौत घटनास्थल पर हुई थी, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने भी सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घायल विभिन्न अस्पतालों में इलाजरत हैं। दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोग गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड की मुंडरो पंचायत के बिहारो गांव स्थित सलैयाटांड़ टोला के निवासी थे। मृतकों में एक ही परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और पड़ोसी शामिल हैं।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में योगी ने की गोवर्धन पूजा



गोरखपुर,एजेंसी। दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व की श्रृंखला के महत्वपूर्ण पर्व गोवर्धन पूजा के पावन उपलक्ष्य में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें हर हाल में गाय की रक्षा करनी है। साथ ही उसकी नस्ल सुधार की दिशा में भी आगे बढ़ते हुए हर पशुपालक को समृद्धि के पथ पर अग्रसर करना है।

दीपावली के दिन रविवार से गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन की प्रक्रिया पूर्ण की। गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और गोमाता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। इस दौरान वह कई गायों और गोवंश को उनका नाम लेकर पुकारते रहे और उनके पास जाकर उन्हें खूब दुलार भी किया। गोवर्धन पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों और सभी गोपालकों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गो महत्ता को प्रतिष्ठित करने वाली परंपरा का निर्वहन करने के लिए उत्तर प्रदेश में सरकार सात हजार 700 से अधिक गोशालाओं के माध्यम से निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक अभिनव कार्यक्रम चला रही है। इन गोशालाओं में 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश रह रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोसंरक्षण और गोसंवर्धन के लिए राज्य सरकार की वर्तमान में तीन प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। पहली, निराश्रित गोआश्रय स्थल, जो सरकार द्वारा संचालित है।

दूसरी, सहभागिता स्कीम। इसके अंतर्गत कोई भी किसान अगर निराश्रित गोआश्रय स्थल से गाय ले जाकर उनका देखभाल करता है तो सरकार प्रति गाय लालन पालन के लिए प्रतिमाह 1,500 उपलब्ध कराती है। इसमें एक किसान को चार गाय तक की अनुमति है। यानी एक किसान इस स्कीम से हर माह 6,000 रुपये अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकता है। इसी क्रम में कुपोषित परिवार को भी दूध पीने के लिए निराश्रित गोआश्रय स्थल से एक-एक दुधारू गाय (जो दूध दे रही हो) दी जाती है। इस तीसरी योजना में प्रति गाय के लिए परिवार को हर माह 1,500 रुपये भी दिए जाते हैं। इन योजनाओं का बड़े पैमाने पर किसानों और कुपोषित परिवारों ने लाभ लिया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तीसरी स्कीम को राज्य सरकार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्वयं ही संचालित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में गो आश्रयस्थल की व्यवस्था पशुपालन विभाग संचालित करता है जबकि नगरीय क्षेत्र में कान्हा उपवन के रूप में नगर विकास विभाग संचालित करता है। उन्होंने कहा कि गोसंरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार का एक ही ध्येय है कि गाय सड़कों पर न हो। किसानों की उपज को नुकसान न पहुंचाए, बल्कि सुरक्षित स्थान पर और सम्मानजनक ढंग से गाय की देखभाल हो सके।

सरहद पर तैनात जवानों ने साथियों संग मनाई दिवाली, घर से दूर जवानों में दिखा उत्साह

चंडीगढ़। देशभर में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, तो देश की सीमाओं और दुर्गम इलाकों में तैनात भारतीय सेना तथा सुरक्षा बलों के जवानों ने भी अपने साथियों के साथ मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर होने के बावजूद जवानों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर अपने परिवारों और देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सेना के कई जवान बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहनकर दिवाली की बधाई देते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में एक सिख जवान अपने साथियों की तालियों और उत्साह के बीच सुरीले अंदाज में गीत गाता दिखाई देता है। गीत के माध्यम से वह व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी भावनाएं व्यक्त करता है कि वह दिवाली पर घर नहीं जा सका और न ही अपनी बहन की शादी में शामिल हो पाया, क्योंकि उसे सीमा पर ड्यूटी निभानी है। वह कहता है कि दिनभर कानों में गोलियों की आवाजें गूंजती रहती हैं, ऐसे में उन्हें लगता है कि मानो उनके लिए हर दिन दिवाली ही हो। एक अन्य वीडियो में पूर्वोत्तर भारत से संबंध रखने वाला एक जवान देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहता है कि भले ही वह अपने घर से दूर है, लेकिन अपनी बटालियन के साथियों के बीच त्योहार मनाकर बेहद खुश है। उसके लिए बटालियन ही दूसरे परिवार की तरह है। उसने बताया कि सभी जवान पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और हर त्योहार मिलकर मनाते हैं। एक अन्य वीडियो में अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवान प्रार्थना करते और पटाखे चलाकर दिवाली मनाते दिखाई दिए। दरअसल, हर साल सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के हजारों जवान अपनी ड्यूटी के कारण त्योहारों और परिवार के महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल नहीं हो पाते। इनमें से कई जवान दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों में तैनात रहते हैं, जहां परिवारों को साथ रखने की अनुमति नहीं होती। इसके अलावा आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारियां निभाने वाले जवान भी त्योहारों पर अपने कार्यस्थलों पर ही डटे रहते हैं। घर से दूर रहने के बावजूद जवान अपने पोस्ट और बंकरों में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार त्योहार मनाते हैं। वे सामूहिक प्रार्थना करते हैं, दीप और मोमबत्तियां जलाते हैं तथा विशेष पकवान बनाकर खुशियां साझा करते हैं। सेना की विभिन्न इकाइयों में बड़े स्तर पर भी दिवाली समारोह आयोजित किए जाते हैं।

दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर ने लगाया बेड़ा पार

नई दिल्ली,एजेंसी। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। अमेरिकी टेक कंपनियों में हुई रिकवरी से उत्साहित भारतीय बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही ऊपरी स्तर पर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक अपनी शुरुआती बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने निचले स्तर पर लिवाली का मोर्चा संभाल लिया।

सरकारी बैंकों, फार्मा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की दिग्गज कंपनियों के शेयरों में आई तूफानी तेजी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने न केवल अपनी शुरुआती गिरावट को पूरी तरह पाट दिया, बल्कि मजबूती के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.23 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करने में कामयाब रहे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 327.89 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज करते हुए 81,327.29 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई, जिसके दबाव में यह सूचकांक 480.09 अंक यानी 0.59 प्रतिशत फिसल कर 80,519.31 अंक के निचले स्तर तक गिर गया था। इसके बाद बाजार में बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के हैवीवेट शेयरों में तूफानी खरीदारी शुरू हो गई। अंतिम सत्र में हुई इस बंपर लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स अपने दिन के निचले स्तर से 587.34 अंक की शानदार छलांग लगा कर 107.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,106.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने भी आज 90 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,076.40 अंक के स्तर से अपने नियमित कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली और पैनिक सेलिंग का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक भी थोड़ी देर में ही लाल निशान में फिसल गया औरर अपनी सारी बढ़त गंवाने के बाद 147.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,838.75 अंक के निचले स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदार पूरी तरह एक्टिव होकर लिवाली करने में जुट गए। चौतरफा शॉर्ट-कवरिंग और संस्थागत खरीद के सपोर्ट से निफ्टी दिन के निचले स्तर से 205.90 अंक उछल कर 58.25 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,044.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सेक्टोरल फ्रंट पर सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक नजर आई, जिसके चलते निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.73 प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़त के साथ बंद हुआ।

अमित शाह ने अहमदाबाद को दी 1,400 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, सरखेज-इस्कॉन ओवरब्रिज जनता को समर्पित



अहमदाबाद,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अहमदाबाद को विकास कार्यों की बड़ी सौगात देते हुए 1,400 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने 450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने सरखेज-इस्कॉन एलिवेटेड ओवरब्रिज का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही वाडज स्थित रामापीर टेकरा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों के लाभार्थियों को चाबियां सौंपीं। इस अवसर पर शाह ने कहा कि सरखेज से गांधीनगर पहुंचने में पहले वाहन चालकों को काफी समय लगता था, लेकिन अब ओवरब्रिज शुरू होने से बिना ट्रैफिक सिग्नल के सीधे गांधीनगर पहुंचना संभव होगा। प्रतिदिन दो लाख से अधिक लोगों को इससे आवागमन में सुविधा मिलेगी। एसजी हाइवे पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वाईएमसीए, प्रह्लादनगर तथा कर्णावती क्लब जंक्शन पर लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी।

उन्होंने रामापीर टेकरा के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1985 में जब वे चुनाव का काम करने यहां आते थे, तब इस क्षेत्र की स्थिति बेहद कठिन थी। यहां पीने के पानी, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उस समय लगभग 50 से 55 हजार लोग झुग्गी-बस्तियों में रहकर जीवन व्यतीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते हुए झुग्गी-बस्तियों के निवासियों को पक्के मकान देने की योजना शुरू की थी, जिसे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आगे बढ़ा रहे हैं। आज यहां के लोगों को साफ-सुथरे और सुविधायुक्त मकान मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन आवासीय परिसरों में सामाजिक सुरक्षा, मनोरंजन, वाचनालय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इससे नई पीढ़ी को बेहतर वातावरण मिलेगा और बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। उन्होंने लाभार्थियों से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का आग्रह भी किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने लंबे समय तक देश और गुजरात में शासन किया, लेकिन रामापीर टेकरा जैसे क्षेत्रों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में भाजपा के पहले पार्षद के चुनाव जीतने के बाद इस क्षेत्र में पार्टी को जनसमर्थन मिलना शुरू हुआ। उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने गुजरात को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि राज्य को 31 दिसंबर 2028 तक ड्रग्स मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 1033 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने जोधपुर में नवनिर्मित 'नॉलेज हब' और गोटा में अर्बन हेल्थ सेंटर का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने जसपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी अहमदाबाद में बढ़ती आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित होगी।

नीतीश कुमार ने 20 वर्षों में वह काम कर दिखाया, जो पिछले एक हजार वर्षों में नहीं हुआ: संजय कुमार झा



पटना,एजेंसी। आगामी 24 नवंबर को जनता दल यूनाईटेड (जदयू) आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस - नीतीश संवाद' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला कार्यक्रम प्रभारियों, जिला अध्यक्षों एवं प्रकोष्ठ अध्यक्षों के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों का फीडबैक लिया तथा इसके सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, बिहार सरकार की मंत्री सह प्रदेश कार्यक्रम संयोजक लेशी सिंह, बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार कुमार सर्राफ एवं मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, डॉ अमरदीप, अनिल कुमार, वासुदेव कुशवाहा, शंभू कुशवाहा, सुमित कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बैठक में 'सुशासन दिवस - नीतीश संवाद' कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, कार्यक्रम की रूपरेखा एवं आयोजन से जुड़ी तैयारियों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जदयू 17 से 19 नवंबर तक सभी पंचायतों/वार्ड स्तर पर 'सुशासन नीतीश परिचर्चा' आयोजित की जाएगी। वहीं, 20 से 22 नवंबर तक प्रखंड/सेक्टर स्तर पर तैयारी बैठकें होंगी। इसके बाद 24 नवंबर को सभी जिलों में 'सुशासन दिवस - नीतीश संवाद' का भव्य आयोजन किया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि एक समय था, जब 'बिहारी' शब्द को गाली के पर्याय के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन वर्ष 2005 में जब मा0 श्री नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली, तब उन्होंने अपने दूरदर्शी विजन और विकासोन्मुखी नीतियों से बिहार की तस्वीर और बिहारियों के प्रति देश की धारणा बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 20 वर्षों में वह काम कर दिखाया, जो पिछले एक हजार वर्षों में नहीं हुआ था। 'सुशासन दिवस - नीतीश संवाद' के माध्यम से नीतीश कुमार के कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना है। इसके लिए हर लाभार्थी तक पहुँच बनानी है और उन्हें कार्यक्रम से जोड़ना है। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के अनुभवों को वीडियो संदेश के माध्यम से साझा करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया और विकास को शासन का आधार बनाया। 800 वर्षों बाद नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार हो या बिहार म्यूजियम जैसी विश्वस्तरीय सांस्कृतिक धरोहर की परिकल्पना, ये सभी उनके दूरदर्शी विजन के उदाहरण हैं। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि 24 नवंबर की तारीख हर बिहारवासी के लिए विशेष महत्व रखती है। यह वही ऐतिहासिक दिन है, जब वर्ष 2005 में नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली और राज्य को जंगलराज एवं कुशासन से बाहर निकालकर विकास एवं सुशासन की नई दिशा देने का काम शुरू किया। उन्होंने बिहार के पुराने गौरव को पुनः स्थापित करने के लिए निरंतर काम किया। कुशवाहा ने कहा कि बीते 20 वर्षों में समाज के हर तबके और हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँची है। बिहार का ऐसा कोई गाँव, कस्बा या टोला ही नहीं, बल्कि ऐसा कोई घर भी नहीं है, जो नीतीश कुमार के विकास कार्यों से अछूता रहा हो। उन्होंने सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुँचें, उनके अनुभवों को साझा करें और उन्हें 24 नवंबर को आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस-नीतीश संवाद' कार्यक्रम में आमंत्रित करें।

असम में स्थापित होगा राज्य का पहला रक्षा पार्क, नेल्ली में 1,984 एकड़ भूमि आवंटित



गुवाहाटी,एजेंसी। असम सरकार ने मोरीगांव जिले के नेल्ली में राज्य का पहला रक्षा पार्क स्थापित करने के लिए लगभग 1,984 एकड़ (करीब 6,000 बीघा) भूमि आवंटित करने को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस परियोजना से भारत के पूर्वी सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट रक्षा उपकरणों का निर्माण संभव होगा और स्थानीय युवाओं के लिए कुशल रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 3 नवंबर को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भूमि आवंटन को औपचारिक मंजूरी दी गई थी। प्रस्तावित रक्षा पार्क मोरीगांव जिले के नेल्ली में जागीरोड के निकट स्थापित किया जाएगा। इसके अंतर्गत भोगदुबा, बसुंधरी, अलीसिंगा, खोलापाथर और सरुमति पर्वत सहित आसपास के कई गांवों की भूमि शामिल होगी। इसमें सरकारी भूमि के साथ-साथ स्थानीय निवासियों से अधिग्रहित की जाने वाली निजी भूमि भी शामिल है। इस परियोजना के लिए भूमि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को हस्तांतरित की जा रही है। विभाग आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ निवेशकों को आकर्षित करने के लिए रोड शो आयोजित करेगा। यह परियोजना असम एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण नीति, 2025 के तहत विकसित की जाएगी।

इस नीति का उद्देश्य छोटे हथियारों एवं गोला-बारूद, ड्रोन, विमान के कलपुर्जों, एवियोनिक्स तथा रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल (एमआरओ) सेवाओं के क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करना है। रणनीतिक दृष्टि से रक्षा पार्क भारत की पूर्वी सीमाओं पर तैनात सैन्य बलों के लिए उपकरणों की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करेगा। इससे रक्षा उत्पादन केंद्र सैन्य प्रतिष्ठानों के निकट होंगे और आवश्यक उपकरणों की शीघ्र आपूर्ति संभव हो सकेगी। जागीरोड में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर संयंत्र के साथ यह रक्षा पार्क असम के औद्योगिक आधार को व्यापक बनाने तथा पूर्वोत्तर भारत को एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से देशी और विदेशी रक्षा कंपनियों, स्टार्टअप तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आकर्षित किया जा सकेगा। इससे क्षेत्र के युवाओं के लिए तकनीकी एवं कुशल रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)